हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

haribhoomi.com

SWARNABHOOMI

A GOLDEN LEGACY LIKE THIS DOESN'T WAIT

Limited plots and villas available for booking

Life at Swarnabhoomi is already in motion with families settled in and a community that's come into its own.
Thoughtfully planned homes, green spaces, and everyday conveniences make this a township people choose for the long term.
Only a limited number of plots and villas remain available. This is your opportunity to secure your place in a community that's already thriving.

All images are artistic impressions

Villas | Plots | Landscape & Nature | Sports & Entertainment | Temple | Clubhouse

Don't miss out!
Your **Life at Rama** Awaits You

RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow

70491 50000 - 7566110001 - 7566110002 - 7566110003 - 756611004

Site Address - Vidhan Sabha Rd, Near MGM Eye Hospital, Ama Seoni, Raipur, Chhattisgarh - 492014 | www.ramaworld.in

PCGRERA180518000011 / PCGRERA020224001723 https://rera.cgstate.gov.in

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114620/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152812/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 15 फरवरी 2026

बिलासपुर

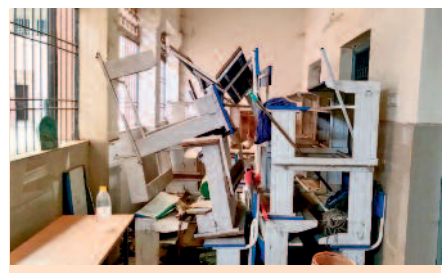

34 आत्मानंद स्कूल, दो साल से फंड नहीं मिला

सत्र की शुरूआत में 79-79 हजार रुपए दिए गए थे इसके बाद कोई राशि नहीं मिली

बिलासपुर शहर के 34 आत्मानंद स्कूल उधार में चल रहे हैं क्योंकि इन स्कूलों को चलाने के लिए फंड नहीं है। सत्र खत्म होने वाला है, लेकिन स्कूल चलाने के लिए शासन की ओर से दी जाने वाली 5 लाख की आकस्मिक व्यय निधि अब तक नहीं मिली है। स्कूल प्रबंधन के पास चॉक, डस्टर, रजिस्टर, फिनाइल समेत अन्य सामग्री खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। साल भर स्थिति यह रही कि तिमाही, अर्धवार्षिक परीक्षा करवाने के साथ-साथ मार्कशीट देने के लिए भी स्कूल वालों ने बच्चो से पैसा लिया। जानकारी के अनुसार सत्र शुरू होने के 6 माह बाद स्कूलों ⏭शेष पेज 7 पर

चार स्कूल बंद 300 बच्चों का भविष्य अधर में

यही नहीं बिलासपुर जिले के चार आत्मानंद स्कूलों तिलक नगर, तारबहार, लाल बहादुर शास्त्री और लाला लाजपत राय में नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी कक्षाएं बंद की जा रही हैं। इससे हड़कंप मचा हुआ है और इस फैसले से करीब 300 नन्हे बच्चों का भविष्य अधर में लटकता नजर आ रहा है। जिला प्रशासन ने भी साफ कर दिया है कि स्कूलों के संचालन के लिए डीएमएफ से फंड जारी नहीं किया जाएगा, इसलिए संचालन अगले सत्र से संभव ही नहीं है। अभिभावकों में गहरी चिंता है और वे सड़क से लेकर प्रशासन तक अपनी ⏭ शेष पेज 7 पर

बजट की कमी

यह सही है कि आत्मानंद स्कूलों के लिए फिलहाल बजट की कमी है। शासन को इस बारे में जानकारी भी भेज दी गई है। वेतन भुगतान के साथ ही दूसरी व्यवस्थाओं में कुछ परेशानी तो जरूर आ रही है। स्थानीय स्तर पर कुछ फंड की व्यवस्था की गई है। उसी से काम चलाया जा रहा है।

- विजय तांडे, जिला शिक्षा अधिकारी

751 छग में स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की संख्या

403 अंग्रेजी माध्यम विद्यालय

348 हिंदी माध्यम विद्यालय

उधार में चल रहे 'आत्मानंद'

स्कूलों की हालत खराब, फंड ऊंट के मुंह में जीरा समान

विशेष रिपोर्ट

रायपुर- रुचि वर्मा/बिलासपुर- विकास चौबे/जगदलपुर- सुरेश रावल/ भिलाई-देवीलाल साहू और राजनांदगांव से हफीज खान की रिपोर्ट

पिछली सरकार में राज्यभर में खोले गए 700 से अधिक आत्मानंद स्कूलों में ज्यादातर को आर्थिक संकट ने मुसीबत में डाल दिया है। पांच लाख रुपए सालाना नियमित फंड से संचालित इन स्कूलों को अब आधा ही मिल रहा है, वह भी कहीं कहीं। यही वजह है कि कई स्कूलों को स्टेशनरी, छोटे-बड़े आयोजन और अप्रत्याशित खर्च के लिए उधार का सहारा लेना पड़ रहा है। हालत ऐसी हो गई है कि रंग रोगन, छोटी-मोटी मरम्मत तक नहीं हो पा रही है। हरिभूमि राज्य के अलग अलग इलाकों में इन स्कूलों की पड़ताल की। कुछ जगह सिस्टम ठीक था, लेकिन कई जगह सिस्टम घिसटता हुआ नजर आया।

हरिभूमि सरोकार

उधारी खाते में खेल आयोजन

रायपुर

रायपुर में प्रथम चरण में प्रारंभ किए गए स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में फंड की ऐसी कमी है कि यहां वार्षिकोत्सव सहित अन्य खेल आयोजन भी उधार में ही किए जा रहे हैं। स्टेशनरी भी उधारी खाते में चल रही है। जो पैसे मिल रहे हैं, उससे प्रश्नपत्र छपाई जैसे अत्यावश्यक कार्य ही किए जा रहे हैं। बिजली बिल के नोटिस के अलावा वे उधार का भी सामना ⏭ शेष पेज 7 पर

फंड की कमी नहीं, बजट में प्रावधान

आत्मानंद स्कूलों के लिए फंड की कहीं कोई कमी नहीं है। पहले कलेक्टरों के माध्यम से संचालित हो रहा था, अब विभाग स्वयं संचालित कर रहा है। अब हम बजट से इसकी व्यवस्था कर रहे हैं। स्कूलों को विभिन्न मदों में फंड भी जारी किए जा रहे हैं। पहले कुछ विभाग से, सीएसआर से, डीएमएफ से शिक्षकों के वेतन की व्यवस्था की जाती थी लेकिन अब बजट में प्रावधान किया गया है, इससे आत्मानंद स्कूल और अच्छे से चल रहे हैं।

-गजेंद्र यादव-स्कूल शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

52 स्वामी आत्मानंद, एक स्कूल को 2.55 लाख

दुर्ग

दुर्ग जिले में 52 स्वामी आत्मानंद स्कूल हैं। तत्कालीन कांग्रेस सरकार इन स्कूलों के लिए हर साल कंटीलजेंसी मद में खर्च के लिए 5 लाख रुपए देती थी। वर्तमान सरकार द्वारा इसका आधा ही जारी किया गया। दुर्ग जिले में प्रत्येक स्वामी आत्मानंद स्कूलों को 2.55 लाख रुपए कंटीलजेंसी मद में जारी हुए। पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपए की राशि छह महीने पहले जारी हुई। दूसरी किस्त दो महीने पहले 1.55 लाख रुपए आबंटित की गई है। संस्था प्रमुखों ने बताया कि फंड आधा ⏭ शेष पेज 7 पर

शिक्षक हैं, लेकिन प्रयोगशाला नहीं

जगदलपुर

बस्तर जिले के पिछड़े ब्लाकों में दूसरी तरह की मुसीबत है। यहां दरभा में तीन उत्कृष्ट आत्मानंद शासकीय विद्यालय दरभा, चिंगपाल एवं चितापुर में संचालित हैं। ब्लॉक मुख्यालय दरभा में नया भवन बना है, लेकिन अन्य दो स्वामी आत्मानंद विद्यालय पुराने सरकारी स्कूल में ही संचालित है। कमरों की कमी के कारण दो सत्र में शालाओं का संचालन हो रहा है। दरभा और चिंगपाल में अंग्रेजी व हिंदी माध्यम तथा चितापुर में मात्र हिन्दी माध्यम से पढ़ाई हो रही है। सेटअप के अनुसार सभी जगह शिक्षकों के पद पूरे हैं, लेकिन संसाधनों की कमी से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा ⏭ शेष पेज 7 पर

लैब के लिए पैसे नहीं

राजनांदगांव शहर के रियासत कालीन स्टेट हाई स्कूल को पिछली सरकार ने आत्मानंद स्कूल में तब्दील किया। यहां स्कूल के फर्नीचर बदले गए, रंगरोगन कराया गया, नाम के बोर्ड बदले गए लेकिन शिक्षा सुविधा नहीं बदल पाई। इस स्कूल में स्वीकृत शिक्षकों के पद से लगभग आधे शिक्षक अध्यापन कार्य कर रहे हैं । स्वामी आत्मानंद राजा बलराम दास स्टेट हाई स्कूल में शिक्षकों के 22 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान ⏭ शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

ब्रह्मपुत्र के नीचे बनेगी टनल, चलेंगे वाहन

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे भारत की पहली सड़क-सह-रेल सुरंग समेत गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच चार लेन वाले ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 18,662 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह भारत की पहली और दुनिया की दूसरी अंडरवॉटर रोड-कम-रेल टनल परियोजना होगी, जिसमें एक ही सुरंग में रोड और रेल लाइन होगी। ट्रेन और गाड़ियां एक साथ चलेंगी। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को कैबिनेट की बैठक हुई।

छग का बजट 27 को, फिर अवकाश, 9 दिन बाद चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा और 20 मार्च तक चलेगा। दो भागों में चलने वाले सत्र में 15 बैठकें होंगी। सत्र के पहले दिन 23 फरवरी को राज्यपाल रामेन डेका के अभिभाषण के साथ विधानसभा की कार्यवाही शुरू होगी। अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर दो दिन चर्चा होगी। सत्र के दौरान 27 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट

दो भागों में होगा बजट सत्र

पेश किए जाने की संभावना है। बजट पेश होने के बाद सदन होली अवकाश के कारण 9 मार्च से शुरू होगा।

विधानसभा सचिवालय के अनुसार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी के साथ शासकीय कार्य ⏭शेष पेज 7 पर

विपक्ष इन मुद्दों पर घेरेगा

विधानसभा में कांग्रेस बजट सत्र के दौरान धान खरीदी, कानून व्यवस्था और नई योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की पुरजोर कोशिश करेगी। धान खरीदी और उसके पूर्व पंजीयन को लेकर अपनाई गई प्रक्रिया, शहरों में बढ़ती आपराधिक घटनाएं, नशे का कारोबार, चौपाटी हटाने का मामला, जल जीवन मिशन, लोक निर्माण विभाग में घटिया सड़क निर्माण, सीएसआईडीसी और उद्योग विभाग में गड़बड़ी, स्वास्थ्य विभाग में अव्यवस्था, नगरीय निकाय विभाग में बिना अनुमति ⏭ शेष पेज 7 पर

पांच महीने बाद आज फिर भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान की टीमें पांच महीने बाद रविवार को एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर

आमने-सामने होंगी। यह टी20 विश्व कप का सबसे चर्चित मुकाबला होगा, जिसे देखने के लिए दोनों देशों के क्रिकेट प्रशंसक काफी उत्सुक हैं।

हेड टू हेड रिकॉर्ड

टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक आठ बार मुकाबले खेले जा चुके हैं। सात बार टीम इंडिया ने मैच जीता है, जबकि एक बार पाकिस्तान की टीम जीत हासिल करने में सफल रही है।

ग्राहकों के गहनों को रखा गिरवी, बैंक कर्मी गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में विभिन्न ग्राहकों के 2,780 ग्राम सोने के गहनों का दुरुपयोग करने और उन्हें अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के आरोप में एक बैंक के उप प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया है। इन गहनों की कीमत 3.5 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। यह कथित धोखाधड़ी का मामला तब सामने आया जब बैंक के मुख्य प्रबंधक ने पांच फरवरी को गिरिनगर थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

अभिनेत्री हिमांशी से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

मोहाली। पंजाबी अभिनेत्री

हिमांशी खुराना ने मोहाली पुलिस में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में दावा किया है कि उन्हें विदेश में रहने वाले एक गैंगस्टर ने धमकी देते हुए 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है।

ट्रेलर में जा घुसी कार, महिला समेत 5 की मौत

जयपुर। जयपुर के निकट शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मध्यप्रदेश के जबलपुर निवासी रेशमा श्रीवास्तव, पीयूष राय, रजक राहुल और चालक अनुराग के रूप में हुई है, जबकि एक व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है। यह हादसा शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच चाकसू में कोटा-जयपुर राजमार्ग पर टिगरिया मोड़ के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026

Accredited by NAAC with Grade 'A++' | UGC Graded Autonomy(Category-I) | NBA Accredited | ICAR Accredited | NABL Accredited | NABH Accredited
AICTE Approved | NMC Approved | DCI Approved | PCI Approved | BCI Approved | INC Approved | VCI Approved

PROGRAMMES OFFERED

B.TECH PROGRAMMES IN CORE ENGINEERING
Civil Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN ELECTRONICS DESIGN
Electrical and Electronics Engineering
Electronics and Communication Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology

B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
Computer Science and Engineering (AI and ML)
Computer Science and Engineering (Cyber Security)
Computer Science and Engineering (Data Science)
Computer Science and Engineering (Internet of Things)

M.TECH PROGRAMMES
Structural Engineering
Electric Vehicle Technology
Machine Design and Robotics
Embedded System and VLSI Design
Computer Science and Engineering

M.Sc. PROGRAMMES
Physics
Chemistry
Mathemetics
Biotechnology
Integrated M.Sc. Biotechnology

COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES
Bachelor of Computer Applications (BCA)
Master of Computer Applications (MCA)

LAW PROGRAMMES
BA. LL.B (H) - Integrated
BBA LL.B (H) - Integrated
LL.B. (H) - 3 Years
LL.M. - 1 Year

MANAGEMENT PROGRAMMES
BBA
MBA
Integrated MBA
MBA (Hospital Administration)
MBA (Artificial Intelligence and Data Science)

HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES
BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology)
MBA (Hospitality Management)

NURSING PROGRAMMES
B.Sc. (Nursing) (Basic)
B.Sc. (Nursing) (Post Basic)
M.Sc. (Nursing)

AGRICULTURAL PROGRAMMES
B.Sc. (H) Agriculture
M.Sc. Agriculture

PHARMACY PROGRAMMES
B. Pharm
M. Pharm

nirf National Institutional Ranking Framework 2025
15th in University Category
22nd in Engineering Category
15th in Medical Category
09th in Dental Category
10th in Law Category

Globally Ranked By
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS

To apply for admission through SAAT,
Visit: www.soa.ac.in

सीबीएसई ने बनाए 'ड्रेस कोड' के कड़े नियम, छोटी सी चूक पड़ सकती है भारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 11 मार्च तक और 12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच तैयारी को लेकर तनाव के साथ-साथ उत्साह भी बना हुआ है। परीक्षा के दिन किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी और मानसिक दबाव से बचने के लिए बोर्ड ने इस बार ड्रेस कोड और सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर स्पष्ट गाइडलाइन जारी की है। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित बनाना है। परीक्षा केंद्र पर बिना एडमिट कार्ड प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

क्यों जरूरी है ड्रेस कोड का पालन?

अक्सर छात्र यह सवाल पूछते हैं कि परीक्षा के लिए विशेष पहनावा क्यों आवश्यक है? बोर्ड के अनुसार, सुरक्षा जांच के दौरान भारी कपड़ों, धातु की वस्तुओं या अधिक जेब वाले परिधानों के कारण समय नष्ट होता है। सादे कपड़ों में चेकिंग जल्दी होती है, जिससे छात्रों को लंबी लाइनों में खड़ा नहीं होना पड़ता और वे शांत मन से परीक्षा कक्ष में प्रवेश कर पाते हैं।

नियमों का मुख्य उद्देश्य परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित बनाना

छात्रों की दोनों केटेगरी के लिए ये नियम

नियमित छात्र : जो छात्र स्कूल के माध्यम से परीक्षा दे रहे हैं, उनके लिए पूरी स्कूल यूनिफॉर्म अनिवार्य है। अधूरी ड्रेस होने पर प्रवेश में दिक्कत आ सकती है।

प्राइवेट छात्र : प्राइवेट के तौर पर परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों को हल्के रंग की साधारण शर्ट या टी-शर्ट और प्लेन ट्राउजर (पैंट) पहनने की सलाह दी गई है।

इनसे बचें : ऐसे कपड़े जिनमें बड़े बटन, बहुत सारी जिप या धातु के हुक लगे हों, उन्हें न पहनें। जूतों के मामले में भी भारी या 'हाई-एंकल' बूट्स के बजाय साधारण सैंडल या चप्पल पहनना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

छात्राओं के लिए विशेष दिशा-निर्देश

पहनावा: नियमित छात्राएं स्कूल यूनिफॉर्म में आएं, जबकि प्राइवेट छात्राएं हल्के और आरामदायक कपड़े पहनें। भारी कढ़ाई या डिजाइनर कपड़ों से परहेज करें।

आभूषणों पर पाबंदी: परीक्षा केंद्र के भीतर किसी भी प्रकार के गहने जैसे- झुमके, अंगूठी, नाक की पिन, पायल, चूड़ियां, ब्रेसलेट या नेकलेस पहनकर आने की अनुमति नहीं है।

फुटवियर और एक्सेसरीज: हाई हील्स के बजाय फ्लैट चप्पल या सैंडल पहनें। बालों में भी किसी भी प्रकार की धातु वाली क्लिप या भारी एक्सेसरी न लगाएं।

छात्र इन बातों का विशेष ध्यान रखें

अनिवार्य दस्तावेज: अपने साथ एडमिट कार्ड और स्कूल आईडी कार्ड ले जाना न भूलें। इनके बिना केंद्र में प्रवेश वर्जित है।

प्रतिबंधित वस्तुएं: मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन या कैलकुलेटर जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट को घर पर ही छोड़ दें।

समय प्रबंधन: ट्रैफिक और सुरक्षा जांच के समय को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम 30-45 मिनट पहले पहुँचें।

सहयोगात्मक व्यवहार: जांच के दौरान सुरक्षा कर्मियों और स्कूल स्टाफ के साथ शांति बनाए रखें और पूरा सहयोग करें।

प्रश्नपत्र के निर्देश: सीट पर बैठने के बाद प्रश्नपत्र मिलते ही सबसे पहले उस पर लिखे निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। जल्दबाजी में की गई गलती पूरे पेपर को प्रभावित कर सकती है।

विशेष टिप: हल्का और साधारण पहनावा न केवल आपको शारीरिक रूप से आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि चेकिंग की प्रक्रिया को भी तेज और तनावमुक्त बना देगा।

खबर संक्षेप

एलओसी के पास ड्रोन से गिराई 6.5 किलो हेरोइन जब्त

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को सीमा पार से ड्रोन द्वारा की गई नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 6.5 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए सामग्री गिराए जाने की सूचना मिलने पर तलाशी के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के खेत में हेरोइन से भरे पीले रंग के दो पैकट बरामद किए गए, जिनमें 6.582 किलोग्राम हेरोइन थी। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में एक /"बड़ी उपलब्धि/" करार दिया। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी करने के आरोप में दो लोगों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है।

झारखंड के दुमका में मां बेटी की हत्या, एक गिरफ्तार

रांची। झारखंड के दुमका जिले में एक महिला और उसकी पांच वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया था और विरोध करने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम को तब हुई जब 35 वर्षीय महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ वीर कुंवर सिंह चौक के पास खड़ी थी तभी आरोपी उसे डरा-धमकाकर सूनसान इलाके में ले गया। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी और बच्ची का भी गला घोंट दिया।

कॉमनवेल्थ देशों के जजों की 11वीं द्विवार्षिक बैठक में बोले मुख्य न्यायाधीश

जज परफेक्ट नहीं होते इसे स्वीकारना ही ज्युडिशियल लीडरशिप की असली ताकत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को न्यायपालिका के पारंपरिक ढांचे और सोच को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ जूडिशियल एजुकेटर्स की 11वीं द्विवार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जज परफेक्ट या सर्वगुण संपन्न नहीं होते और इस बात को स्वीकार करना ही न्यायिक नेतृत्व की असली ताकत है। न्यायिक नेतृत्व इस कारण कमजोर नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि तब प्रभावित होता है जब जज यह दिखाने लगते हैं कि वे बिल्कुल परफेक्ट हैं।

सीजेआई ने इसके साथ ही न्यायिक नेतृत्व को देखने के तरीके में बदलाव की जरूरत बताई। साथ ही सुझाव दिया कि राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जज और न्यायिक संस्थाएं दोनों ही सीखने, सुधार करने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ जूडिशियल एजुकेशन इंस्टीट्यूट की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान जजों को केवल कानून का अनुवादक नहीं, बल्कि न्याय का एक बुद्धिमान संरक्षक बनाने में मदद कर रहा है।

गलती मानना कमजोरी नहीं, पेशेवर सुरक्षा है

सीजेआई ने विनम्रता को एक व्यक्तिगत गुण के साथ-साथ एक पेशेवर सुरक्षा कवच बताया और जोर दिया कि इसे हर न्यायिक अधिकारी को सिखाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि न्यायिक नेतृत्व को तब नुकसान नहीं पहुंचता जब जज अपनी कमियों को स्वीकार करते हैं, बल्कि नुकसान तब होता है जब जज यह दिखावा करते हैं कि वे कभी गलत नहीं हो सकते। इतिहास गवाह है कि सबसे सम्मानित न्यायिक नेता वे नहीं थे जिन्होंने खुद को दोषरहित दिखाया, बल्कि वे थे जो अपनी ज्ञान की सीमाओं को जानते थे और सुधार के लिए तैयार रहते थे।

बदलते दौर में कानून की नई व्याख्या

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कानून को एक जीवंत इकाई बताया जो समय के साथ विकसित होता है। उन्होंने कहा कि जजों की असली परीक्षा तब होती है जब समाज बदलता है और नई चुनौतियां सामने आती हैं। ऐसे में जजों को केवल पुराने फैसलों का मास्टर ही नहीं होना चाहिए, बल्कि उनमें कानून की ऐसी व्याख्या करने की फुर्ती भी होनी चाहिए जो वर्तमान समय में न्याय सुनिश्चित कर सके।

देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए

जुडिशियल ऑफिसर में क्या खास गुण होने चाहिए

उन्होंने ये भी कहा कि 'इस मायने में, नम्रता कभी भी केवल एक व्यक्तिगत गुण नहीं रही है, यह एक प्रोफेशनल सुरक्षा है और मेरा विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण टूल को प्रत्येक जुडिशियल ऑफिसर को बिना अपवाद के निश्चित रूप से पढ़ाया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि जजों की भूमिका सिर्फ स्थापित उदाहरणों में महारत प्राप्त होना नहीं है, बल्कि न्याय को लेकर समय की मांग के अनुसार फुर्ती से कानून की व्याख्या में काबिल होना भी आवश्यक है।

सीखने, सुधार करने व खुद को बदलने की क्षमता रखें

कार्यक्रम की थीम जुडिशियल लीडरशिप पर उन्होंने कहा कि लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि नियुक्ति के बाद एक जज पूरी तरह से फिनिश्ड प्रोडक्ट (तैयार उत्पाद) बन जाता है, जिसे अब कुछ और सीखने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि यह विचार भले ही संस्था की तारीफ करता हो, लेकिन यह सेवा नहीं करता। हमें इस ईमानदार सच्चाई को स्वीकार करना होगा कि जज भी इंसानों की तरह लगातार सीखने, सुधार करने और खुद को बदलने की क्षमता रखते हैं।

कॉमनवेल्थ अपेक्स बॉडी' बनाने का आह्वान

न्यायिक व्यवस्था में एक क्रांतिकारी बदलाव का सुझाव देते हुए चीफ जस्टिस ने एक कॉमनवेल्थ अपेक्स बॉडी बनाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि यह संस्था सदस्य देशों के बीच न्यायिक शिक्षा, बार (वकीलों) और बेंच (जजों) के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगी।

भारत आतंकवाद के समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित : शाह

पुलवामा की 7वीं बरसी पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पुलवामा में शहीद हुए 40 वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और भारत इसके समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित है। आज पूरा भारत उन 40 वीर सपूतों को याद कर रहा है, जिन्होंने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इस आतंकी हमले को आज सात साल बीत चुके हैं, लेकिन उन शहीदों के शौर्य और बलिदान की यादें आज भी हर हिंदुस्तानी के सीने में जल रही हैं। इस भावुक अवसर पर शाह ने जवानों को नमन करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त इरादों को एक बार फिर दोहराया है। पुलवामा के शहीदों को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं व नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

वीर जवानों के शौर्य को किया स्मरण

पुलवामा की बरसी पर अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'पुलवामा आतंकी हमले में शहीद होने वाले हमारे वीर जवानों के शौर्य, साहस, समर्पण और बलिदान का स्मरण कर उन्हें नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने भारत दृढ़ संकल्पित है।

जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

अमित शाह ने कहा कि 14 फरवरी 2019 की उस दोपहर को कोई नहीं भूल सकता, जब एक आत्मघाती हमलावर ने सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाया था। उस हमले ने पूरे देश को गम और गुस्से में डुबो दिया था। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश अपने वीर जांबाजों के बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा।

ट्वीट केवल श्रद्धांजलि नहीं, 'जीरो टॉलरेंस' की चेतावनी है

गृह मंत्री का यह ट्वीट केवल एक श्रद्धांजलि संदेश नहीं है, बल्कि यह उन ताकतों को एक कड़ी चेतावनी भी है जो भारत की शांति को भंग करने का सपना देखती हैं। मोदी सरकार आतंकवाद के "समूल नाश" के लिए प्रतिबद्ध है। पुलवामा हमले के बाद भारत ने जिस तरह से बालाकोट एयरस्ट्राइक के जरिए 'घर में घुसकर' जवाब दिया था, वह दुनिया के लिए एक बड़ा संदेश था कि अब भारत किसी भी कायराना हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा।

बांग्लादेश के लोगों को अब मिली असली आजादी और अधिकार

एजेंसी ▶▶| ढाका

■ तारिक रहमान का पहला बड़ा संदेश

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बीएनपी को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उन्होंने समर्थकों से भी संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की।

देशहित में राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत

तारिक रहमान ने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन देशहित में सभी को साथ रहना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत है और बंटवारा सबसे बड़ी कमजोरी। रहमान ने कहा कि लोगों ने तमाम बाधाओं को पार कर लोकतंत्र की राह दोबारा खोल दी है और सीधे वोट से जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई है। उन्होंने मतदाताओं का आभार माना।

मां ने तीन बच्चों को पिला दी 'मौत की चाय', तीनों ने दम तोड़ा

एजेंसी ▶▶| अलीराजपुर

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले से एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्राम अडवाड़ा निवासी 30 वर्षीय नूर बाई पति मुकेश ने शुक्रवार शाम घर में रखी कीटनाशक दवा को चाय में मिलाया। उसने अपनी दो बेटियों और एक बेटे को वह चाय पिलाई और खुद भी पी ली। कुछ ही देर में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई। सभी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मप्र के अलीराजपुर में दर्दनाक घटना

बच्चों की इहलीला समाप्त, मां बच गई : पुलिस ने बताया कि तीनों में सबसे बड़ी बेटी सावित्री (7) की मौत जिला अस्पताल में हो गई। बेटे कार्तिक (5) और छोटी बेटी दिव्या (3) को मां के साथ गुजरात के दाहोद रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों बच्चों ने भी दम तोड़ दिया। फिलहाल नूर बाई का इलाज दाहोद के अस्पताल में जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

पारिवारिक विवाद की आशंका प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि महिला का पति मुकेश पिछले एक महीने से मजदूरी के लिए गुजरात में था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दंपति के बीच हाल में किसी प्रकार का तनाव या विवाद तो नहीं था। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के पीछे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

समुद्र-तल ऑप्टिकल फाइबर केबल से अंडमान निकोबार में डिजिटल कनेक्टिविटी का नया युग

समुद्र में 2300 किलोमीटर केबिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| श्री विजयपुरम

देश के दूरस्थ द्वीपों को सशक्त डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में समुद्र-तल ऑप्टिकल फाइबर केबल (सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल) परियोजना ने अंडमान और निकोबार द्वीप में दूरसंचार सेवाओं की तस्वीर बदल दी है। तेज़, स्थिर और विश्वसनीय इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ द्वीपसमूह अब शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, पर्यटन और व्यापार जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की ओर अग्रसर है।

यह परियोजना यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के माध्यम से, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है। परियोजना का उद्देश्य भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण और दुर्गम क्षेत्रों तक उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएं सुनिश्चित करना है। नेटवर्क का क्रियान्वयन भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा किया गया, जिसमें तकनीकी सहयोग जापान की एन ई सी कॉरपोरेशन ने प्रदान किया। परियोजना के प्रभाव और तकनीकी विशेषताओं पर जानकारी देते हुए श्रीमती नीमा राय भारत संचार निगम लिमिटेड की श्री विजयपुरम में पदस्थ अधिकारी, ने बताया कि अगस्त 2020 में इस नेटवर्क को राष्ट्र को समर्पित किया गया। उन्होंने कहा कि समुद्र-तल केबल के प्रारंभ होने से पहले द्वीपों की कनेक्टिविटी मुख्यतः उपग्रह आधारित संपर्क पर निर्भर थी, जिसके कारण सीमित बैंडविड्थ और अधिक विलंबता जैसी चुनौतियां बनी रहती थीं। नई केबल प्रणाली ने इन बाधाओं को काफी हद तक दूर कर दिया है। यह नेटवर्क चेन्नई से श्री विजयपुरम को जोड़ते हुए आगे स्वरराज द्वीप (हैवलॉक), लॉन्ग आइलैंड, रंगत, लिटिल अंडमान, कार निकोबार, कमोर्टा और ग्रेट निकोबार सहित प्रमुख द्वीपों तक विस्तारित है। उच्च गति और कम विलंबता वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं ने डिजिटल संचार को अधिक सुचारु और भरोसेमंद बनाया है।

परियोजना के तहत लगभग 2,308 किलोमीटर लंबी समुद्र-तल ऑप्टिकल फाइबर केबल तथा 62 किलोमीटर स्थलीय केबल बिछाई गई है। कुल मिलाकर 2,370 किलोमीटर से अधिक का नेटवर्क अवसंरचना विकसित की गई है। नेटवर्क को उच्च स्तर की अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था (रेडंडेंसी) के साथ डिज़ाइन किया गया है, जिससे किसी तकनीकी बाधा की स्थिति में सेवाएं निर्बाध बनी रहें।

आम जीवन पर सकारात्मक प्रभाव

लंबी दूरी में सिग्नल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मार्ग में लगभग 125 किलोमीटर के अंतराल पर 12 ऑप्टिकल रिपीटर्स स्थापित किए गए हैं। समुद्र-तल केबल प्राथमिक कनेक्टिविटी माध्यम के रूप में कार्यरत है, जबकि जीएसएटी-16, जीएसएटी-17 और जीएसएटी-18 जैसे उपग्रह बैकअप नेटवर्क के रूप में सेवाएं सुनिश्चित करते हैं। छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षा अधिक सुचारु हुई है, टेली-चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के मरीज विशेषज्ञ चिकित्सकों से जुड़ पा रहे हैं, और ई-गवर्नेंस सेवाएं तेजी से उपलब्ध हो रही हैं।

पीएम मोदी ने किया था नेटवर्क का उद्घाटन

गौरतलब है कि इस नेटवर्क का उद्घाटन अगस्त 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। यह परियोजना न केवल डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करती है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास, प्रशासनिक दक्षता और राष्ट्रीय एकीकरण को भी नई मजबूती प्रदान करती है।

रायपुर, रविवार 15 फरवरी 2026 फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी । वर्षः 24, अंक : 206 । पृष्ठ : 14+8 =22, मूल्यः 5.00** haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

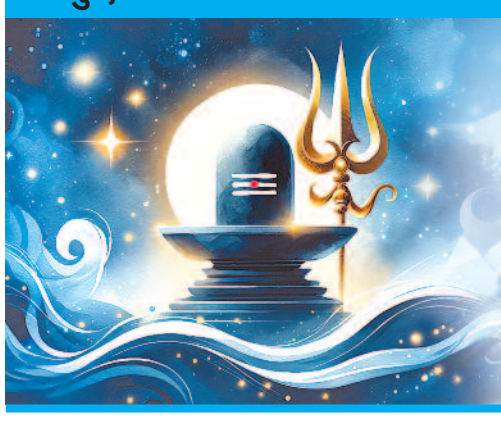

महाशिवरात्रि की मंगलकामनाएं

दर्द अनेक, उपचार एक!

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन,
जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपूर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया & कं. -8889669996

Costumer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradikshaherbals.com

₹ 120/-

छुट्टी पर घर जा रहे कोबरा बटालियन के तीन जवानों समेत चार की मौत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ धमतरी

जगदलपुर से रायपुर आ रहे जवानों की कार धमतरी के पास खड़े ट्रक से भिड़ी

जगदलपुर से रायपुर जा रही सीआरपीएफ के जवानों से भरी तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक के पीछे टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन सीआरपीएफ के जवान व चालक की मौत हो गई है। एक जवान गंभीर रूप से घायल है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 201 कोबरा बटालियन बस्तर के करनपुर में तैनात है। बटालियन के एसआई उमेंद्र सिंह निवासी झुनझुन राजस्थान, हेड कांस्टेबल मुकेशसिंह निवासी रांची ▸▸शेष पेज 7 पर

इनकी हुई मौत

दर्दनाक घटना में सीआरपीएफ के उमेंद्रसिंह एसआई, मुकेश सिंह, हेड कांस्टेबल राजकुमार गौड कांस्टेबल व कार चालक हीरालाल नागर की मौत हुई है। वहीं एक जवान अभिमान राय गंभीर रूप से घायल हुआ है।

शवों का पोस्टमार्टम रायपुर में: डीआईजी

सीआरपीएफ के डीआईजी बीएस पांडे व आईजी विजय प्रताप ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली। शवों को दूरस्थ उनके गृहग्राम भेजने में समय लगने के कारण तीन जवानों के शव को पोस्टमार्टम के लिए रायपुर भेजा। डीआईजी बीएस पांडे ने बताया कि शवों को उनके गृहग्राम पहुंचने में समय लगेगा। इसलिए ▸▸शेष पेज 7 पर

गृहमंत्री ने ली जानकारी

दुर्घटना की सूचना मिलते ही महापौर रामू रोहरा, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, एसपी सूरजसिंह परिहार तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे। महापौर ने फोन पर गृहमंत्री विजय शर्मा को भीषण हादसे की जानकारी दी। गृहमंत्री श्री शर्मा ने घटना की जानकारी लेते हुए घायल जवान अभिमान राय को उपचार के लिए रायपुर भेजने को कहा।

मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य ▸▸शेष पेज 7 पर

दो शिवधाम, शिवलिंग के कद के साथ बढ़ती जा रही आस्था

लवकुश शुक्ला ▸▸ रायपुर

शहर से 35 से 40 किमी पर दो शिवालय

भगवान शिव की आस्था से जुड़े रायपुर से 35 से 40 किलोमीटर की दूरी पर दो ऐसे शिवधाम हैं, जिनके उद्भव से जुड़ी कई मान्यताएं उन्हें दूसरे शिवालयों से अलग पहचान दिलाती है। खास बात यह है कि शिवलिंग का कट लगातार बढ़ भी रहा है। इनमें एक धमधा-दुर्ग मार्ग पर स्थित कोड़िया गांव है। यहां 300 साल पहले मालगुजारी के दौर में जिस स्थान पर घुरवा हुआ करता था, वहीं से भू-फोड़ शिवलिंग ▸▸शेष पेज 7 पर

महाशिवरात्रि आज

कोड़िया गांव को शिवधाम पूर्ण होते हैं मनोरथ

श्री धीवर ने बताया कि तब मालगुजार ने छोटे से मंदिर का निर्माण करवाया। उस समय शिवलिंग की आकृति छोटे स्वरूप में थी। धीरे-धीरे अब शिवलिंग करीब तीन फीट ऊंचा हो गया है। मंदिर में शिवलिंग के सामने ध्यान करने से शिवलिंग ▸▸शेष पेज 7 पर

मोहदेश्वर महादेव में आस्था का मेला

रायपुर जिले के मोहदा गांव में स्थित मोहदेश्वर धाम अनूठा शिवालय है, यहां के भू-फोड़ शिवलिंग से जुड़ी 204 साल पुरानी कई रोचक मान्यताएं हैं। यह जिले का इकलौता गांव है, जहां शिवलिंग का दर्शन करने के लिए ▸▸शेष पेज 7 पर

पूर्वोत्तर में पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा

असम में रचा इतिहास, 'बाहुबली' से ईएलएफ पर उतरे पीएम मोदी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में स्थित पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर बाहुबली सी-130जे विमान से शनिवार को ऐतिहासिक लैंडिंग की। प्रधानमंत्री मोदी ने चाबुवा हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी और वह राष्ट्रीय राजमार्ग-37 स्थित मोरान के ईएलएफ पर उतरे। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह बेहद गर्व की बात है कि पूर्वोत्तर ▸▸शेष पेज 7 पर

असम को दी सौगात

प्रधानमंत्री ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने छह लेन वाले पुल का उद्घाटन किया। यह पूर्वोत्तर में निर्मित पहला 'एक्सट्राडोज्ड प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट' पुल है। 3,030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कुमार भास्कर वर्मा सेतु गुवाहाटी को उत्तरी गुवाहाटी से जोड़ेगा।

बड़े अफसरों के किताब लिखने पर लग सकती है 20 साल की रोक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

केंद्र सरकार वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के बाद किताबें लिखने के लिए कड़े नियम लागू करने पर विचार कर रही है। यह विचार संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के ▸▸शेष पेज 7 पर

- नरवणे इफेक्ट के बाद रिटायर्ड अफसरों पर सख्ती की तैयारी

क्यों नहीं प्रकाशित हुई नरवणे की किताब?

नरवणे की किताब के प्रकाशित नहीं होने के पीछे आर्मी रूल्स 1954 और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923 है। 72 साल पुराना ये कानून सेवानिवृत्त अधिकारियों पर सीधे तौर पर लागू नहीं होते, लेकिन 2021 के पेंशन नियम संशोधन और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923 पाबंदिया लगाता है। यानी ▸▸शेष पेज 7 पर

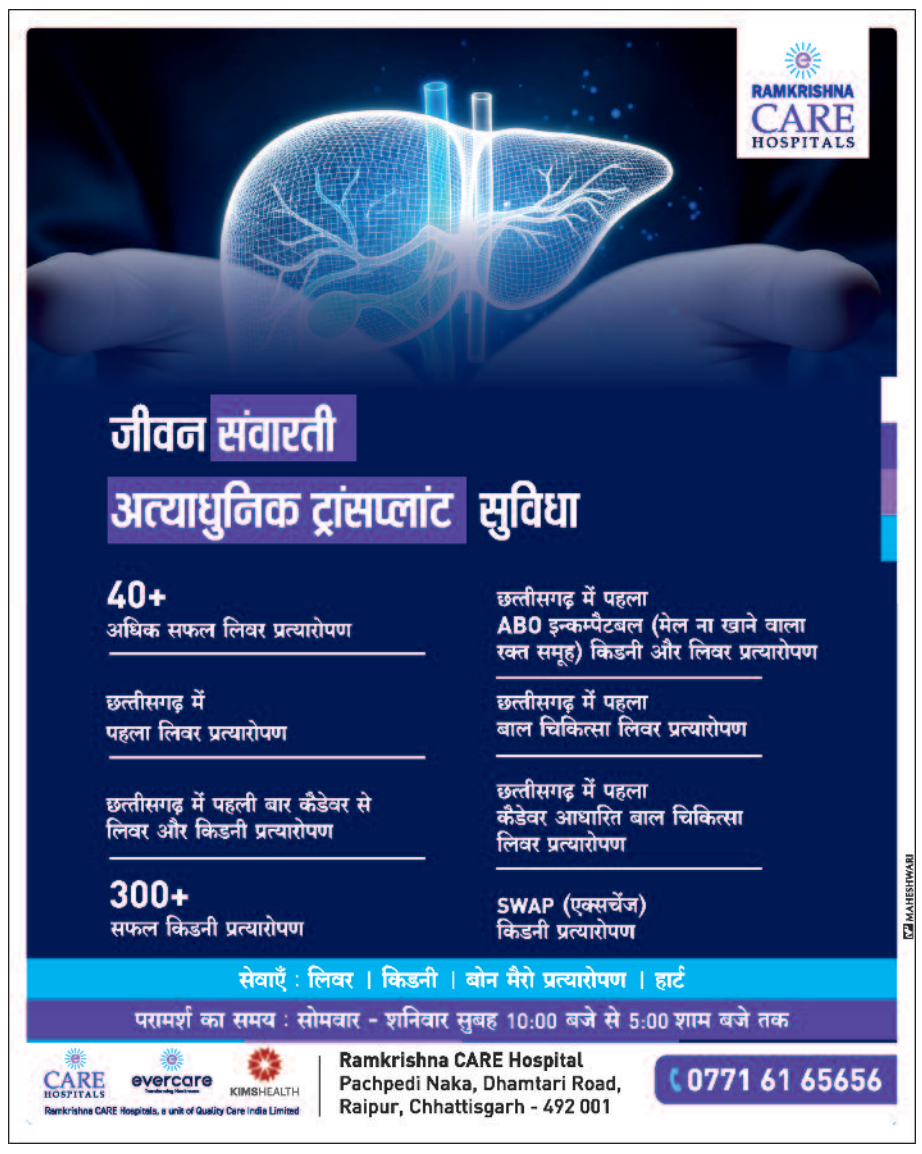

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पेड़ से टकराई एसयूवी पांच दोस्तों की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के सोनीपत जिले में एक एसयूवी पेड़ से टकरा गई और इस हादसे में पांच दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। मृतकों की पहचान सागर, दीपक, साहिल, मोहित और अंकुश के रूप में हुई है। सभी की उम्र 22 से 27 साल के बीच है। सातों लोग गोहाना के भावड़ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के लौट रहे थे।

खाई में गिरी कार चार लोगों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गहरी खाई में कार के गिरने से महिला और उसके बेटे सहित चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में कृष्णा (42), उनके बेटे हिमेश कुमार (19), सुषमा (47) और इंदर लाल (30) की मौत हो गई। विद्या कृष्ण (32) को चोटों के इलाज के लिए तापरी स्थित जेएसडब्ल्यू अस्पताल ले जाया गया।

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? ज्ञातव्य है कि 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से वहां अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। अब बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। हालांकि, इतिहास देखकर डर लगता है। बीएनपी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता *आजकल* का यह खास अंक...

बीएनपी की जीत के भारत के लिए मायने

विश्लेषण
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी ने संसद की 299 सीटों में से कम से कम 210 से ज़्यादा सीटें जीती हैं, जो दो-तिहाई बहुमत है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? क्या यह खालिदा जिया के कार्यकाल की तरह होगा, जहां बांग्लादेश में हर समस्या के लिए भारत पर आरोप लगाया जाता था और भारत-विरोधी नैरेटिव चलाया जाता था? या फिर बीएनपी नए अवतार में सामने आएगी और भारत के साथ संबंध बेहतर बनाकर अवसर को भुनाएगी?

बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार जब भी रही है, तब भारत के साथ संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही है। ऐसे में तारिक रहमान की अगुआई वाली बीएनपी का रुख़ क्या होगा? इस सवाल को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। बीएनपी की स्थापना 1978 में जियाउर रहमान ने की थी, जो भारत से दूरी और संप्रभुता पर जोर देती थी।

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

बीएनपी का इस्लामी राष्ट्रवाद

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए। अवामी लीग की शेख हसीना के दौर 2009-2024 में अवामी लीग की भारत-समर्थक नीतियों के कारण बीएनपी को विपक्ष में रहते हुए भारत-विरोधी नैरेटिव अपनाना पड़ा। अवामी लीग भारत-समर्थक थी, जबकि बीएनपी भारत को संदेह की नज़र से देखती रही, लेकिन 2024-2025 में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट आ गया। छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरी और वे भारत में शरण लेने को मजबूर हुईं। इसके बाद भारत-बांग्लादेश संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे।

मुलाकात के सकारात्मक संकेत

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ढाका जाकर तारिक से मुलाकात की, जो सकारात्मक संकेत है। हाल के समय में बीएनपी रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है। तारिक ने कहा कि बीएनपी भारत से अच्छे रिश्ते चाहती है, लेकिन बांग्लादेश के हित पहले हैं। वे अर्थव्यवस्था-आधारित विदेश नीति चाहते हैं और भारत से 'सम्मान और बराबरी' पर रिश्ते। उनके संकेत बताते हैं कि वे हसीना के समय की 'निर्भरता' से दूर रहेंगे, लेकिन संघर्ष नहीं चाहते। बहरहाल, दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और सीमा के मुद्दे जुड़े हैं। शेख हसीना के समय भारत-बांग्लादेश रिश्ते गोल्डन एरा में थे, लेकिन 2024 के आंदोलन के बाद तनाव बढ़ा। क्योंकि भारत की बांग्लादेश नीति हसीना पर ज़्यादा निर्भर थी, जो अब एक गंभीर रणनीतिक भूल के रूप में देखी जा रही है। सुरक्षा और व्यापार में घनिष्ठ सहयोग के बदले भारत ने लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया। चीन ने लंबी अवधि के निवेशों के माध्यम से अपनी स्थिति को मज़बूत किया, जो राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद टिके रह सकें।

भारतीय कपास पर निर्भरता

दूसरी तरफ अमेरिका ने इसमें एक नया आयाम जोड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कच्चे माल से बने कुछ बांग्लादेशी वस्त्र निर्यात पर ज़ीरो टैरिफ़ कर दिया है। बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग उसकी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है। बता दें, भारत-बांग्लादेश के बीच सालाना 14 अरब डॉलर का व्यापार है। इससे भारत को करीब 10 अरब डॉलर का सरप्लस मिलता है। बांग्लादेश का वस्त्र उद्योग भारतीय कपास पर काफी हद तक निर्भर है। अगर बांग्लादेश ने इसके लिए चीन की ओर झुकाव दिखाया तो भारतीय निर्यात, खासकर कपास के किसानों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। मैं बहुआयामी संबंधों को मज़बूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक़ रहमान साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। साफ है, पीएम मोदी का बधाई संदेश यह भी जा रहा है कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों को सुधारना चाहता है। भारत चाहता है कि पिछले 18 महीनों की उथल-पुथल को पीछे छोड़कर, जिसमें बांग्लादेश का चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ता संपर्क और हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याएं शामिल रहीं, एक स्थिर और कामकाजी रिश्ता बनाया जाए, ताकि दशकों पुराना सहयोगी साथ बना रहे।

शेख हसीना के दौर में दिल्ली और ढाका के रिश्ते स्थिर माने जाते थे। उनके कार्यकाल में व्यापार, परिवहन, सीमा सुरक्षा और जल बंटवारे पर ध्यान दिया गया। हालांकि दोनों मुल्कों के बीच कई विवादित मुद्दे अब भी बने हुए हैं, जिनमें तीस्ता नदी का प्रश्न शामिल है।

पुराने संबंध बहाल के प्रयास

भारत की कोशिश रहेगी कि अगर पुराने संबंध बहाल न हों तो भी आगे और रणनीतिक दूरी न पैदा हो, क्योंकि दोनों देशों के संबंध कई दशकों में सबसे निचले स्तर पर हैं। ढाका में यह धारणा व्यापक है कि दिल्ली ने अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना का समर्थन कर लोकतांत्रिक गिरावट को बढ़ावा दिया। इस सोच ने भारत विरोधी भावनाओं को तेज किया है और उस संबंध को कमजोर कर दिया है, जिसे कभी आदर्श पड़ोसी संबंध कहा जाता था। बहरहाल, रिश्ते सुधारने के लिए दोनों पक्षों को प्रयास करने होंगे। दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि सीमा सुरक्षित रहे, व्यापार बढ़े और अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

बांग्लादेश में अब हिंदुओं के लिए उम्मीद या खतरा

मुद्दा
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनावों ने सबको चौंका दिया है। इन चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत हासिल कर लिया। तारिक रहमान अब नए प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और उनकी पार्टी ने 209 से ज्यादा सीटें जीतीं, जो दो-तिहाई बहुमत है। जमायते-ए- इस्लामी जैसी इस्लामी पार्टी दूसरे नंबर पर आई है, लेकिन बीएनपी की जीत से लगता है कि लोग बदलाव चाहते हैं। 2024 के छात्र विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग को बैन कर दिया गया था और ये पहला चुनाव था, जहां लोग आजादी से वोट डाल सके। अब सवाल ये है कि क्या इस नई सरकार में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलेगी, या उनकी हालत पहले जैसी ही खराब रहेगी? ये सिर्फ एक देश की नहीं, बल्कि इंसानियत की बात है। सबसे पहले तो बांग्लादेश के इतिहास को समझना जरूरी है। 1971 में जब बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ, तो वो धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में बना था। उसके बाद से अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती गई। उस समय हिंदू आबादी 30 फीसद के करीब थी, लेकिन अब घटकर 8-9 फीसद रह गई है। बार-बार हमले, लूटपाट, बलात्कार और जमीन हड़पने की घटनाएं हुईं। अवामी लीग के समय में भी हमले होते थे, लेकिन बीएनपी और जमात के साथ मिलकर सरकार बनने पर ये और बढ़ जाते थे। हजारों घर जलाए गए, महिलाओं के साथ जुल्म हुए और कई लोग मारे गए। मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट की कि ये हमले बीएनपी के समर्थकों और जमायते- ए- इस्लामी के लोगों ने किए थे, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता था। 1971 के मुक्ति संग्राम में जमात ने पाकिस्तान का साथ दिया था और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार किए थे। बीएनपी की जीत से पुरानी यादें ताजा हो रही हैं। अब बात करें हाल की। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिर तोड़े गए, और लोग मारे गए। चुनाव से पहले ये हमले और बढ़ गए। ये हमले सिर्फ हिंदुओं पर नहीं, बल्कि बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समुदायों पर भी हुए। कई लोग कहते हैं कि ये हमले धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता है, तो बदला लिया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार कहती है कि ज्यादातर घटनाएं सांप्रदायिक नहीं, बल्कि साधारण अपराध हैं। लेकिन मानवाधिकार संगठन और हिंदू नेता कहते हैं कि ये सिस्टेमैटिक है, और चुनाव के समय में बढ़ रहा है। बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है, जो अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किल होगी। अब सवाल ये है कि क्या हालत सुधरेगी? बीएनपी की जीत से कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं। चुनाव में वोटर टर्नआउट 59 फीसद था, और लोग लोकतंत्र चाहते हैं। बीएनपी ने अर्थव्यवस्था सुधारने और लोकतंत्र बहाल करने का वादा किया है, लेकिन अल्पसंख्यकों के लिए ये टेस्ट होगा। अगर सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो हमले जारी रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर भारत को दबाव बनाना चाहिए। भारत ने पहले ही कहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जरूरी है। सोशल मीडिया पर भी लोग बात कर रहे हैं, जैसे एक यूजर ने कहा कि बीएनपी की जीत से हिंदुओं की सुरक्षा मजबूत होनी चाहिए, लेकिन निगरानी जरूरी है। ये कोई राजनीतिक खेल नहीं है। ये लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है। बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई सबको बराबर हक मिलना चाहिए। अगर बीएनपी सरकार ने पुरानी गलतियां नहीं दोहराईं, और जमात जैसे कट्टरपंथियों को काबू में रखा, तो शायद हालत सुधरें। अगर नहीं तो स्थिति और खराब हो सकती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि नई सरकार सबको साथ लेकर चले, क्योंकि एक देश तभी तरक्की करता है जब सब सुरक्षित महसूस करें। भारत जैसे पड़ोसी देशों को मदद करनी चाहिए, लेकिन बिना दखल दिए। आखिर में, इंसानियत से ऊपर कुछ नहीं।

बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी, लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है।

मोहम्मद यूनुस के किरदार की गंभीरता को समझना होगा

बांग्लादेश
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

बीते दो वर्षों में बांग्लादेश में राजनीतिक भूचाल आया। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा, लेकिन अब बांग्लादेश की सियासत में आए दिन लिखी जाने वाली नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा। आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है। चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा, लेकिन अब चुनाव के बाद दिशा मिल गई। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने स्पष्ट कहा है कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी, जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजर रहा था। अब बांग्लादेश में सत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। चूंकि पूरी दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नहीं है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि वहां हसीन के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले, जिससे विश्व पटल पर थू-थू हुई। किसी भी सरकार का जीतना एक बार को सरल है, लेकिन शांति कायम करना और व्यवस्थित तौर पर संचालित करना करना बेहद चुनौतीपूर्ण, चूंकि वहां की जनता जो शेख हसीना के समय कर चुकी, वह दोबारा न हो। मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा थी कि वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे, लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेंगे। कुल मिलाकर शांति स्थापित करने के लिए किस तरह पटकथा लिखी जाएगी, अभी यह तय होना बाकी है। लेकिन सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस ट्रांजिशन पर नजर बनाए हुए है और संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। ज्ञात हो कि टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है, जिससे उन्हें विश्व पटल पर बड़ी पहचान मिली थी। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है।

संघर्ष जारी रहेगा और हसीना का प्रत्यर्पण भी नहीं होगा

चुनौती
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उन पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलाएंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी। उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की मांग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की मांग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं, लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है। बीएनपी का रुख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख ख़ालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख़ अपनाया, उससे तारिक के मन की गांठ खुली है। ख़ालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है, इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी। भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख़ हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है। चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। इसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगों ने मतदान ही नहीं किया।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान।

ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 प्रतिशत से अधिक लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। इसका संदेश साफ़ है कि हसीना का 'वोट बैंक' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है। आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के ख़िलाफ़ बगावत के बीज उनके आख़िरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है।

शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक मांग कर सकती हैं। साफ़ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष ख़त्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण। इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

भारत को चीन और पाकिस्तान पर भी रखनी होगी नजर

दृष्टिकोण
प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी वस्तुतः तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का आम चुनाव दो तिहाई बहुमत से जीत चुकी है। उल्लेखनीय है मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा बांग्लादेश के आम चुनाव में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित करके चुनाव में शिरकत नहीं करने दी गई। उम्मीद की जा रही है कि खालिदा जिया के साहबजादे तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो जाएंगे। तारिक तकरीबन 17 वर्षों तक लंदन में राजनीतिक शरण में रहे। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल जियाउर रहमान ने सन् 1978 में बांग्लादेश नेशनल पार्टी का गठन किया था। 1981 में जियाउर रहमान के कत्ल के बाद पार्टी का संचालन जियाउर रहमान की बेगम खालिदा जिया ने किया, जोकि बांग्लादेश की तीन दफा प्रधानमंत्री रही।

2007 में बांग्लादेश में सैन्य समर्थन वाली कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल के दौरान तारिक रहमान को भ्रष्टाचार के संगीन इल्ज़ाम में गिरफ्तार किया गया और तकरीबन 18 महीने जेल काटने के बाद सितंबर 2008 में तारिक रहमान को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद में सपरिवार बांग्लादेश से पलायन करके लंदन में शरणागत हो गए। बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना हुकूमत का तख्ता पलट हो जाने के पश्चात, तारिक वापस बांग्लादेश लौट आए। यक्ष प्रश्न है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के ताल्लुकात किस कदर परवान चढ़ेंगे। बांग्लादेश की राजसत्ता पर आसीन हुई मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा पाकिस्तान के साथ अपने ताल्लुकात सुधारने की जबरदस्त कोशिश अंजाम दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीएनपी की हुकूमत का पाकिस्तान के साथ दोस्ताना रवैया स्थापित हो जाएगा। शेख हसीना की हुकूमत के दौरान बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अत्यंत दोस्ताना बना रहा था, किंतु इसके तत्पश्चात यूनुस हुकूमत में भारत और बांग्लादेश के ताल्लुकात बिगड़ते हुए दिखाई देने लगे। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे। यूनुस की अंतरिम हुकूमत के दौर में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के बेगुनाह इंसानों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा निरंतर वहशियाना हमले होते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर निरंतर होने वाले कातिलाना हमलों के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति भारत सरकार की मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं को बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस हुकूमत ने अपने आंतरिक मामलों में दखलंदाजी करार दिया। हिंदू विरोधी और भारत विरोधी वहशियाना पागलपन के दौर में बांग्लादेश हुकूमत ने पाकिस्तान से अपने कूटनीतिक ताल्लुकात सुधारने का मौका तलाश लिया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे।

उल्लेखनीय है कि शेख हसीना के हुकूमत के संपूर्ण दौर में पाकिस्तान और बांग्लादेश के परस्पर रिश्ते निरंतर खराब बने रहे। अवामी लीग की हुकूमत द्वारा 1971 के युद्ध में बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के खिलाफ कातिलाना साजिश रचने और बेगुनाह बांग्लादेशियों के नरसंहार में पाकिस्तानी फौज की सक्रिय मदद करने के इल्जाम में अनेक पाकिस्तान समर्थक जमात ए इस्लामिया के कारकूनों को सजा ए मौत दे दी गई। अगस्त 1924 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस से दो बार कूटनीतिक मुलाकात अंजाम दी। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश के मध्य सैन्य कूटनीतिक संबंधों को ताकतवर बनाने की कोशिश की गई। जनरल जियाउल हक की हुकूमत के दौर में पाकिस्तान और पाकिस्तान की फौज का इस्लामीकरण किया गया था। बांग्लादेश की जमात ए इस्लामिया एक कट्टरपंथी इस्लामी तंजीम है जो कि पाकिस्तान की कट्टर समर्थक रही है। दुर्भाग्यवश बांग्लादेश के समाज और सरकार पर इस्लामी कट्टरपंथियों का प्रभाव निश्चित रूप से ही बढ़ रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मध्य निरंतर बढ़ती हुई कूटनीतिक और राजनीतिक घनिष्ठता भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रदान कर रही है। जहां तक साम्यवादी चीन का संबंध है, विगत अनेक दशकों से से पाकिस्तान के साथ चीन के कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते बहुत गहरे और नजदीकी रहे हैं। विस्तारवादी फितरत का चीन यकीनन बांग्लादेश में भी अपनी आर्थिक और सामरिक घुसपैठ निरंतर जारी रखेगा। कूटनीतिक तौर पर भारत के लिए बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार का सत्तासीन होना और इस्लामी कट्टरपंथियों का निरंतर शक्तिशाली होते जाना भारत के लिए एक कड़ी चुनौती के तौर पर सामने आया है। बांग्लादेश के साथ भारत की तकरीबन 4000 किलोमीटर सरहद जुड़ी हुई है। बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। भारत को अब अपनी सरहद पर चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरफ से होने वाली घुसपैठ से निरंतर सतर्क और सावधान निगरानी रखनी होगी। वर्ष 2025 के जून में चीन के कुनमिंग शहर में बांग्लादेश और पाकिस्तान के विदेश सचिवों के साथ चीन के विदेश उपमंत्री सुन वेइदोंग की त्रिपक्षीय बैठक ने भारत के लिए प्रबल चिंता का संकेत दे दिया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कोशिश प्रारंभ की है, जबकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खालिदा जिया के निधन के वक्त बांग्लादेश गए थे। खालिदा जिया की हुकूमत के दौर में बांग्लादेश ने भारत के उल्फा के पृथकतावादियों को शरण और संरक्षण प्रदान किया था। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

'एक दिन' का एक नया पोस्टर आया सामने ...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर जुनैद खान और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'एक दिन' के निर्माताओं ने फिल्म का एक प्यारा सा पोस्टर जारी किया। पोस्टर में साई पल्लवी को एक मफिन

पकड़े हुए देखा जा सकता है, मानो वह जुनैद को वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं दे रही हों। दोनों एक दूसरे को प्यार भरी निगाहों से देख रहे हैं, जिनमें स्नेह और मिठास झलक रही है। एक गर्मजोशी भरे, रोमांटिक सर्दियों के माहौल में फिल्माए गए इस पोस्टर में जुनैद और साई के किरदार बर्फ से ढकी सड़क पर कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए, हल्की मुस्कान बिखेरते नजर आ रहे हैं। दोनों ने आरामदायक सर्दियों के कपड़े पहने हैं, जिससे पोस्टर में ऐसा लग रहा है मानो वे अपनी ही दुनिया में खोए हुए हों। 'एक दिन' जुनैद खान की मुख्य भूमिका में तीसरी बड़ी फिल्म है, वहीं साई पल्लवी इसी फिल्म से बॉलीवुड में पदार्पण कर रही हैं। 'एक दिन' 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सिंगल' होने का दिया अपडेट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे।

एजेंसी ⏭ मुंबई

इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है?" यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है। रवि उदयावर की ओर से निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे। फिल्म के कुछ गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें लोगों की तरफ से काफी प्यार मिल रहा है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर काफी क्रेज देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि फिल्म को दर्शक कितना प्यार देते हैं।

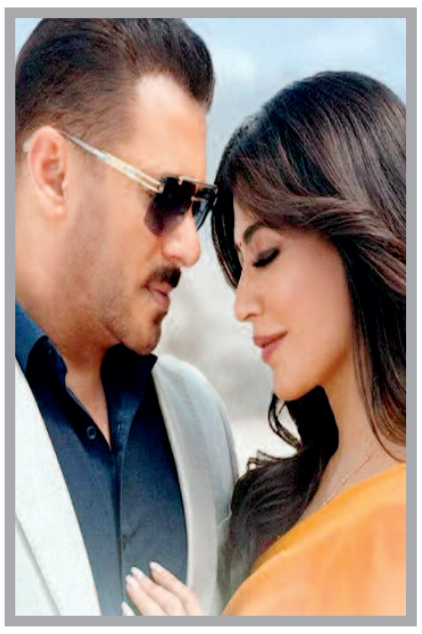

बैटल ऑफ गलवान का गाना रिलीज...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म "बैटल ऑफ़ गलवान" का रोमांटिक गाना "मैं हूं" रिलीज हुआ। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के इस गाने में उनकी लविंग केमिस्ट्री दिखाई गई है। सलमान खान फिल्म्स ने इस गाने को अपने ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया। इससे पहले "मातृभूमि" गाना रिलीज़ हुआ था, जिसे 50 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ मिले थे। मेकर्स ने स्पेशल ट्रैक "मैं हूं" 14 फरवरी को रिलीज़ किया था। यह गाना एक सैनिक और उसके परिवार के रिश्ते की इमोशनल कहानी दिखाता है। मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया पर शेयर किया और इसका ऑफिशियल लिंक भी रिलीज किया। यह ट्रैक परिवार के साथ बिताए खुशी के पलों से लेकर ड्यूटी की वजह से अलग होने तक की एक इमोशनल जर्नी दिखाता है।

रश्मि देसाई को दो बार बदलना पड़ा अपना नाम

मुंबई। टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं रश्मि देसाई आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस नाम से देश उन्हें जानता है, वह उनका असली नाम नहीं है। उनकी पहचान के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है, जो दो बार बदले गए नाम से जुड़ा हुआ है। रश्मि देसाई का जन्म 13 फरवरी 1986 को असम के नागांव में हुआ था। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ। इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले रश्मि का असली नाम शिवानी था। जब उन्होंने एक्टिंग की दुनिया

में आने का फैसला किया, तब उन्हें नाम बदलने की सलाह दी गई, ताकि नया नाम किस्मत के लिए शुभ साबित हो। इसके बाद शिवानी ने अपना नाम बदलकर दिव्या रख लिया। इसी नाम से उन्होंने अपने करियर की शुरुआती कोशिशें शुरू कीं। दिव्या नाम से उन्होंने शुरुआत में कई प्रोजेक्ट्स किए, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पा रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी। उनके पास काम आने भी बंद हो गए थे। उसी समय एक ज्योतिष मित्र की सलाह पर उन्होंने एक बार फिर नाम बदलने का फैसला लिया।

राशा की तेलुगु फिल्म का पोस्टर आउट

मुंबई। अभिनेत्री राशा थडानी हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के बाद तेलुगु सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। अभिनेत्री जल्द ही निर्देशक अजय भूपति की आगामी तेलुगु फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' में नजर आएंगी। इस एक्शन-रोमांस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें राशा और जया कृष्ण घट्टामनेनी दोनों एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राशा ने एक खूबसूरत लैवेंडर कलर की साड़ी पहनी हुई है। उनके बाल खुले हैं। वहीं, पोस्टर में लिखा है, "हैप्पी वेलेंटाइन डे।" राशा ने पोस्ट कर लिखा,"बस एक बार अपनी आंखें खोलकर देखो... मैं यहीं रहूंगी, इतनी पास कि तुम्हारी सांसों को महसूस कर सकूं।" अजय भूपति द्वारा निर्देशित फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' में राशा थडानी मंगा का किरदार निभाएंगी।

महाशिवरात्रि पर हंसराज ने रिलीज किया 'महादेव की शादी' भक्ति गीत...

मुंबई । महाशिवरात्रि के पावन पर्व से पहले म्यूजिक इंडस्ट्री भी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी है। भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक रोज नए शिव भक्ति गीत रिलीज हो रहे हैं, लेकिन अब शिव भक्ति से सराबोर गीत गाने वाले सिंगर हंसराज रघुवंशी ने महादेव की शादी से जुड़ी रस्मों का नया गीत रिलीज किया है, जिसमें देवताओं से लेकर असुर बाबा की बारात में मस्तमौला अंदाज में नाच रहे हैं। हंसराज रघुवंशी का नया भक्ति गीत 'महादेव की शादी' रिलीज हो चुका है, और गीत को सिंगर ने अपने आधिकारिक चैनल पर रिलीज किया है। गीत में शिव बारात का वर्णन किया गया है कि कैसे भस्म और नागों से बाबा शृंगार कर मां पार्वती को ब्याहने ले जा रहे हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

अफसर, दुःसाहस और संरक्षण

जिले के एक पुलिस कप्तान द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखने का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि एक डीएफओ ने अपने विभाग के सिकेट्री को फोन पर गरिया दिया। गाली भी छोटी-मोटी नहीं...सरकार को निलंबन आदेश में लिखना पड़ा...डीएफओ ने लैंगिक गालियां दी। आश्चर्य तो यह कि सिकेट्री भी आईएफएस हैं। इसके बाद भी डीएफओ ने कोई कंजूसी नहीं की। सिकेट्री साहब को पहले विश्वास नहीं हुआ...उन्हीं के कैडर का कोई अधिकारी भला ऐसा कैसे कर सकता है...शायद रांग नंबर लग गया होगा। इसलिए उन्होंने लैंडलाइन से दोबारा फोन लगवाया, मगर फिर गालियों की बौछारें। इसके बाद फिर कुछ बचता नहीं था। बात एसीएस फॉरेस्ट ऋचा शर्मा तक पहुंची और जाहिर है, वे किसी की सुनती नहीं...इसलिए दाल गल नहीं पाई। सस्पेंशन आदेश में गालियों तक को कोट किया गया। सवाल यह है कि ऐसे उद्दंडता को संरक्षण दे कौन रहा है? इससे पहले डीएफओ ने बीजेपी नेताओं को ऑफिस से भगा दिया था। फिर भी पार्टी के मुखिया किरण सिंहदेव को गुस्सा नहीं आया। इसके बाद डीएफओ का हौसला इतना बढ़ गया कि अपने बॉस की ही लानत-मलानत कर दी। अनुशासनहीनता के बढ़ते केसों में कार्रवाई करने में आगे-पीछे होते सिस्टम को समझना चाहिए नेता और मंत्री नहीं, मोदी गारंटी बड़ा है और इसी मोदी गारंटी से बीजेपी सत्ता में लौटी। बहरहाल, ऐसा ही रहा तो एसपी, डीएफओ के बाद अब किसी कलेक्टर की बारी होगी। सिस्टम को कौंवा मारकर लटकाना होगा।

कांग्रेस का मजबूत गढ़!

राजधानी रायपुर से लगे गरियाबंद में शिक्षिकाओं का दामाद बाबू का स्वागत करते रील्स का मामला सामने आया तो कार्रवाई के खिलाफ बीजेपी के लोग ही खड़े हो गए। ऐसे में, स्कूल विभाग के अधिकारी कैसे पीछे रहते। शिक्षिकाओं को बचाने की एवज में 20-20 हजार वसूल डाले। कहने का आशय यह है कि रुलिंग पार्टी के लोग ही जब सिस्टम की राह में रोड़ा बनेंगे तो अफसर और निरंकुश होंगे ही। इससे सिस्टम का नुकसान हो रहा है। सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को समझना चाहिए कि मोदी, अमित शाह और नितिन नबीन की ब्यूहरचना के चलते छत्तीसगढ़ में पांच साल में ही कमल खिल गया। वरना, ये मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं, छत्तीसगढ़ कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है और आज भी काडर खतम नहीं हुआ है। जाहिर सी बात है कि बीजेपी के लोकल बॉडी में इतना ही दमखम होता तो 2018 में 15 सीटों पर थोड़ी ही सिमटती। कहने का मतलब यह है कि पार्टी को अपने काडर को कंट्रोल में रखने की जरूरत है। बेलगाम हो चुके कैडर से नुकसान राज्य सरकार की छबि का हो रहा। सरकार कोई महत्वपूर्ण सुधार का काम करती है मगर इस तरह की घटनाओं से साख को डेंट लगता है। सरकार ने स्कूल शिक्षा में सुधार के कई ऐतिहासिक कार्य किए थे। पहली बार स्कूलों का युक्तियुक्तकरण हुआ। मगर पीएमश्री स्कूल की शिक्षिकाएं दामाद बाबू का स्वागत करते रील्स बना रही हैं और बीजेपी के लोग उनके सामने दीवार बनकर खड़े हो जा रहे। पुलिस कप्तान को भी पार्टी के लोग बचा रहे तो डीएफओ के पीछे ढाल बनने वाले भी रुलिंग पार्टी के बड़े नेता हैं। सिस्टम को अपना औरा दिखाना चाहिए।

नया हेड ऑफ फॉरेस्ट

हेड ऑफ फॉरेस्ट श्रीनिवास राव करीब तीन महीने बाद मई में रिटायर हो जाएंगे। उनकी जगह वन विभाग का मुखिया कौन होगा, इसको लेकर महकमे में उत्सुकता बढ़ती जा रही है। सीनियरिटी के हिसाब से देखें तो पीसीसीएफ अरुण पाण्डेय श्रीनिवास के बाद दूसरे नंबर पर है। सरकार अगर पोस्टिंग में सीनियरिटी को वेटेज देगी तो अरुण की किस्मत खुल सकती है। मगर ओपी यादव को हल्के में नहीं लिया जा सकता। जाहिर है, अरुण पाण्डेय का नाम पिछले एक साल से हेड ऑफ फॉरेस्ट के लिए चल रहा है। मगर अरुण की ताजपोशी संभव नहीं हो पाई। अरुण इस समय पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ हैं। वन महकमे में हेड ऑफ फारेस्ट के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा पद है। मगर पिछले कुछ सालों से मिथक चल रहा कि वाइल्डलाइफ चीफ हेड ऑफ फॉरेस्ट नहीं बन पा रहे। ओपी यादव को हल्के में न लेने के पीछे अहम बात यह है कि वे इस समय कैम्पा के प्रमुख हैं। श्रीनिवास राव भी जब हेड ऑफ फॉरेस्ट बने, तब कैम्पा के ही हेड थे। उनके बाद अरुण का नाम कैंपा के लिए चला था मगर ऐसा होने नहीं दिया गया। बहरहाल, यह देखना दिलचस्प होगा कि हेड ऑफ फॉरेस्ट की नियुक्ति में सीनियरिटी को वेटेज दिया जाएगा या फिर ओपी को मौका मिलेगा।

कलेक्टरों की हाजिरी

पिछले हफ्ते मुख्य सचिव विकास शील ने कलेक्टरों की वीडियोकांफ्रेंसिंग की। इसमें वे अफसरों की टाईमिंग की चर्चा करते हुए उन 10 कलेक्टरों के नाम गिना दिए, जो सुबह 10 बजे ऑफिस पहुंच जा रहे। बाकी को उन्होंने इशारे में बता दिया...निर्देशों को हल्के में न लें, उनके स्तर पर इसे वॉच किया जा रहा है। पता चला है, मुख्य सचिव ने जिलों के बायोमेट्रिक सिस्टम का एक्सेज अपने पास रखा है। इससे उन्हें मालूम चल जाता है कौन कलेक्टर टाईम पर ऑफिस आए और कौन लेट। बताते हैं, सीएस के वीडियोकांफ्रेंसिंग के बाद अधिकांश कलेक्टरों ने अपनी टाईमिंग अब दुरूस्त कर ली है। इसकी बड़ी वजह यह है कि सीएस सार्वजनिक तौर से टोकने में गुरेज नहीं करते।

बायोमेट्रिक का फायदा

छत्तीसगढ़ में अटेंडेंस के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लागू करने से एक बड़ा फायदा यह हुआ कि क्लर्कियल कैडर पटरी पर आ गया। वरना, मंत्रालय का ही लें...कर्मचारी आराम से 11.30 बजे तक आते थे। चाय-वाय पीने के बाद डेढ़ बजे लांच हो जाता था। फिर शाम को तीन बजे गांव की देसी सब्जी खरीदने मंत्रालय के सामने चौपाटी पर हाजिर। सब्जी लेकर आने के बाद फिर चार बजे से घर जाने के लिए सामान समेटना शुरू। आश्चर्य की बात...ये तब हुआ जब आदेश में अवर सचिव से नीचे के मुलाजिमों को शामिल नहीं किया गया है, मगर अफसर टाईम पर पहुंच जा रहे इसलिए कर्मचारियों ने भी बिना कहें टाईम पर आना प्रारंभ कर दिया है। रही बात बड़े अधिकारियों की, तो जो फाइलें महीनों तक लटकी रहती थीं, अब लगभग डेली डिस्पोजल हो जा रहीं। इसलिए, क्योंकि पहले साहबानों के आने और जाने पर कोई बंदिशें नहीं थीं। मन पड़े तो मंत्रालय आए, नहीं तो पीए का रटा-सा जवाब....साब फलां जगह मीटिंग में गए हैं...भले ही साब घर में आराम फरमा रहे हों। लेकिन, अब अफसर सुबह सवा दस बजे तक मंत्रालय पहुंच जा रहे तो फिर बैठकर क्या करेंगे। लिहाजा, फाइलें भी तेज गति से हो रही हैं।

5000 करोड़ की बचत, मगर...

धान खरीदी में सिस्टम को कसने का फायदा यह हुआ कि अबकी 141 लाख मीट्रिक टन पर धान खरीदी रुक गई। वरना, पिछले साल 149 लाख मीट्रिक टन हुआ था और इस बार बढ़कर उसे करीब 160 लाख मीट्रिन टन पहुंचने का अंदेशा था। वैसे सरकार की योजना पहले 120 लाख मीट्रिक टन पर धान खरीदी को रोकने की रही मगर सरकार के भीतर से ही सहयोग नहीं मिला। जिम्मेदार नेता लगे बवाल काटने...ऐसा रहा तो अगला चुनाव हार जाएंगे। यही वजह है कि दो-तीन जिलों में ही राईस मिलरों पर कलेक्टर छापा मार पाए। दरअसल, सूबे के 80 परसेंट से अधिक राईस मिलें राजनीतिक पार्टियों से जुड़े हैं। और इतने ताकतवर कि कई मंत्री, नेता उनके लिए दुखी हो गए थे। कुछ चूक सिस्टम के एंड से भी हुई। पता नहीं टोकन का साफ्टवेयर कैसा बनाया गया कि किसानों को टोकन के लिए काफी परेशान होना पड़ा और कुछ माहौल राईस मिल माफियाओं ने बना दिया। इस चलते प्रारंभ में कड़े तेवर दिखा रही सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा। फिर भी, कसावट से करीब 5000 करोड़ बच गया। वरना, बिचौलियों की तैयारी राज्य का खजाना साफ करने की थी।

सीएस को जिम्मेदारी

सीजीएमएससी को ठीक करने सरकार ने दिल्ली रिटर्न आईएएस अमित कटारिया को सिकेट्री हेल्थ बनाया। सीजीएमएससी से प्रमोटी आईएएस को हटाकर डायरेक्ट आईएएस को एमडी की कमान सौंपी गई। इसके बाद भी हाई कोर्ट को मेडिकल इक्विमेंट्स खरीदी में अक्षमता को लेकर तल्ख टिप्पणी करनी पड़ रही है तो फिर समझा जा सकता है कि सीजीएमएससी किस कदर डिरेल्ड हो चुका है। सीजीएमएससी में कई सालों से अराजकता की स्थिति यह है कि पैसा होते हुए भी दवाइयां और मेडिकल इक्विमेंट नहीं खरीद पा रहा। अस्पताल वालों की मजबूरी यह है कि मेडिकल से संबंधित सारी खरीदी का अधिकार सरकार ने सीजीएमएससी को दे रखा है। सीजीएमएससी को दवाइयां और मेडिकल इक्विमेंट से ज्यादा फायदा बिल्डिंग बनाने में नजर आता है। फिर, दवा सप्लायर जेम पोर्टल में ऐसे कंडिशन डलवा देते हैं कि दूसरी कंपनियां टेंडर में हिस्सा ले नहीं सकें। हाई कोर्ट यह खेल समझ गया, तभी चीफ जस्टिस की डबल बेंच ने कहा है कि मुख्य सचिव इसे देखें। कोर्ट अगर सीएस को व्यवस्था देखने को कह रहा, इसका मतलब तो ये ही हुआ कि सीजीएमएससी का सिस्टम फेल हो चुका है। अब चीफ सिकरेट्री कोई रास्ता निकालेंगे कि सीजीएमएससी दवा खरीदने में सक क्यों नहीं पा रहा।

चौपट सिस्टम

छत्तीसगढ़ बनने के बाद स्वास्थ्य विभाग में एक से बढ़कर एक मंत्री बने और सचिव मगर सूबे में एक बढ़ियां सरकारी अस्पताल मयस्सर नहीं हो पाया। भारत सरकार के पैसे से दो सुपर स्पेशिलिटी अस्तपाल जरूर बने मगर वे अपने किस्मत पर रो रहे हैं। जगदलपुर को प्रायवेट पार्टनरशिप में दिया गया, वो अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाया और बिलासपुर में सिर्फ ओपीडी चल रहा है। 250 करोड़ खर्च करने के बाद भी अभी मरीजों की भर्ती की सुविधा नहीं शुरू हो पाई है। सवाल उठता है, छत्तीसगढ़ सरकार से जमीन लेकर जब एम्स इतना बढ़ियां बिल्डिंग बनाकर अस्पताल का संचालन कर सकता है तो फिर राज्य के हेल्थ डिपार्टमेंट द्वारा गरीबों के लिए अदद एक ठीकठाक अस्पताल क्यों नहीं शुरू किया जा सकता? मगर इस पर किसी को सोचने का टाईम नहीं। प्रायवेट अस्पतालों में गरीब लूटते रहे, और आयुष्मान के नाम पर सरकारी खजाना लूटता रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता। पता नहीं, एम्स को देखकर सिस्टम में बैठे लोगों को कुछ लगता क्यों नहीं? इस माईनिंग स्टेट में अगर डीएमएफ की ठीक से प्लानिंग की गई होती तो एम्स के समकक्ष रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में तीन अस्पताल खुल गए होते। और नहीं, तो लखनउ जैसा रायपुर में एक पीजीआई तो खुल ही सकता है।

सीएस का वेतन, सबसे बड़ा लोचा

देश के सरकारी अस्पतालों की सेहत खराब होने में मुख्य सचिवों के वेतन का भी लोचा है। दरअसल, राज्यों की ब्यूरोक्रेसी डॉक्टरों का वेतन चीफ सिकरेट्री से अधिक होने नहीं देना चाहती। और नीट में सलेक्ट होने के बाद पांच साल एमबीबीएस, तीन साल पीजी और दो साल सुपरस्पेशिलिटी याने 10 साल दिमाग घिसने के बाद कोई स्पेशलिस्ट दो-ढाई लाख पगार में सरकारी अस्पताल में काम करने आएगा नहीं। अलबत्ता, सीएस के पद को उसकी सेलरी से नहीं तौला जा सकता। सीएस कार्यपालिका का हेड होता है। प्रोटोकॉल में मंत्री जरूर सीएस से उपर होते हैं मगर ओवरऑल पकड़ और प्रभाव में सीएस उनसे आगे होते हैं। बिना उसके दस्तखत के एक फाइल आगे नहीं सरक सकती। मुख्य सचिव कैबिनेट के पदेन सचिव होते हैं। लिहाजा, लखनउ की तर्ज पर अलग एक्ट पारित कर पीजीआई जैसा इंस्टिट्यूट तो खोला ही जा सकता है। अपने मुख्य सचिव विकास शील प्रैक्टिकल सुधार में विश्वास रखते हैं। वे छत्तीसगढ़ में हेल्थ सिकरेट्री रह चुके हैं और भारत सरकार में भी इस विभाग में सेवा दे चुके हैं। उनसे अधिक हेल्थ सिस्टम को भला कौन समझ सकता है। इस गरीब प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने उन्हें कोई रास्ता निकालना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. धुरंधर फिल्म की अपार सफलता क्या विपक्षी पार्टियों को अपनी रीति-नीति पर सोचने के लिए मजबूर करेगी?
2. सिस्टम में घुस चुके एक आत्मविश्वासी मंत्री का नाम बताइये, जिन्हें यकीन है कि उनकी कुर्सी को कोई खतरा नहीं?

मृत घोषित मजदूर असम में घर लौटा

श्रीभूमि/हैलाकांडी। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स कोयला खदान विस्फोट में मृत घोषित किया गया एक मजदूर असम के श्रीभूमि जिले में अपने घर लौट आया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गयी। इस घटना के बाद दोनों पड़ोसी राज्यों की पुलिस ने विस्फोट के बाद मजदूर की अप्रत्याशित वापसी से संबंधित परिस्थितियों की संयुक्त जांच शुरू कर दी है। मजदूर श्रीभूमि जिले के रामकृष्ण नगर सर्कल के मुलियाला गांव स्थित अपने घर पर बृहस्पतिवार को पहुंचा। इससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई क्योंकि उसे मृत मानकर पहले ही अंतिम संस्कार किया जा चुका था। 44 वर्षीय श्यामबाबू सिंघा से फोन पर संपर्क न होने के कारण विस्फोट के बाद उनका परिवार उन्हें ढूंढने के लिए मेघालय गया था। सिंघा का पता न चलने पर स्थानीय अधिकारियों ने उनकी पत्नी और बेटी को अस्पताल पहुंचाया। धमाके के कारण अधिकतर मृतकों के चेहरों पर इतनी ज्यादा चोटें थीं कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। उनके परिवार ने एक शव की पहचान सिंघा के रूप में की। इसके बाद प्राधिकारी शव लेकर उसके पैतृक स्थान पहुंचे और हिंदू रीति-रिवाजों से उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी, गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल की नोएडा इकाई ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के जरिए ठगी करने वाले गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया और इनका 'बम धमकियों से संबंध होने के भी संकेत' मिले हैं। गिरफ्तार आरोपियों में नेपाल और भारत के नागरिक शामिल हैं जो गाजियाबाद के इंदिरापुरम और ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी क्षेत्र में अवैध कॉल सेंटर के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। पिछले दिनों गौतमबुद्ध नगर जिले के निजी स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकियों की जांच की जा रही थी जिसमें पता चला कि ई-मेल अमेरिका से आए थे लेकिन तकनीकी पड़ताल में इसकी 'रिकवरी मेल' का बांग्लादेश और भारत से संबंध होना पाया गया। जांच में यह मेल थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी इलाके से जुड़ा पाया गया। इसी आधार पर एसटीएफ ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ टीम ने शाहबेरी स्थित आरोपियों के ठिकाने पर छापा मारा और बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के लिए कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे।

हरिभूमि CLASSIFIED

epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job. 3rd floor, Radhey Chambers, Pandri.Contact **7999611198, 9131205196;** Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए बैटरी ई रिक्शा चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए लोकल दुर्ग भिलाई घूमना है भिलाई वाले ही संपर्क करें लाइसेंस एवं स्मार्टफोन अनिवार्य कार्य लंबे समय के लिए **संपर्क 810 3933373.**(आरो नं.-223)

आवश्यकता है- ड्राइवर स्कूल बस चलाने 25 ड्राइवरों की आवश्यकता हैं योग्यता - लायसेंस हैवी बैच, अनुभवी को प्राथमिकता वेतन - पांच अकों में **संपर्क - जय महामाया ट्रेवल्स, डुंडा D180 कमल विहार रायपुर मों - 9993944771, 9685545594.**(आरो-6676)

सुरक्षागार्ड

आवश्यकता है- Hari group हेतु सिक्योरिटी गार्ड - 40 सुपरवाइजर - 05 फील्ड आफिसर (अनुभव 05 वर्ष) - 03 लेडीज गार्ड - 10 हाउसकीपीग बाई - 10 गनमेंन 05 वेतनमान - 12000 से 18000/- **स्थान - कृष्णा प्लाजा अश्वनी नगर सुन्दरनगर रायपुर मो. - 9039437556, 9171511755.**(आरो-6677)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टीचर

Wanted- A Female School Teacher From DPS, KPS, N.H. Goel, Gyan Ganga School For 10th Class Student Salary 20,000/- p.m. Place- Shankar Nagar Raipur mobile **8827674988, 7224993938.** (RO-6668)

WANTED- KRISHNA KIDS ACADEMY (ENGLISH MEDIUM SCHOOL) ASHISH NAGAR WEST, NEAR NAGAR NIGAM KE PICHE ROAD, RISALI-BHILAI, WALK IN INTERVIEW TGT MATHS & SCIENCE INTERVIEW DATE 26/02/2026 TIME - 9:00 AM TO 12 NOON CONTACT - **7987022154,8839678091, 9284867427** (आरो नं.-225)

WANTED PRINCIPAL- B.ED, PG, 3 YEAR EXPERIENCE-ENGLISH MEDIUM ADMINISTRATOR-PG, TEACHERS B.ED, D.ELD, EXPERIENCES FOR BOTH BRANCH CONTACT-SAI PUBLIC SCHOOL PANDRIPANI MO.- **8319371342** (आरो-222)

WANTED- KRISHNA KIDS ACADEMY (ENGLISH MEDIUM SCHOOL) VRINDAVAN SOCIETY NEAR MA LAXMI MARRIAGE PALACE,UMDA ROAD ,UMDA WALK IN INTERVIEW TGT, (ENGLISH,MATHS AND SCIENCE) INTERVIEW DATE 21/02/2026 & 24/02/2026 TIME- 9:00 AM TO12 NOON CONTACT - **8962844559** (आरो नं.-224)

हरिभूमि क्लासीफाईड

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है गांव के लड़कों को रहने की सुविधा उपलब्ध **पता- अशोक इंटरप्राइजेस आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मो.- 8770676924.**(RO-152)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलु काम एवं खाना बनाने के लिए महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **पता- कालीबाड़ी रायपुर संपर्क करें - 9827140065.** (RO-6671)

ऑफिस कार्य

शीघ्र आवश्यकता है - ऑफिस कार्य हेतु लड़कियां व औरतें (Girls or Ladays) लड़कियों व औरतों की तुरंत आवश्यकता है । योग्यता- 5वी, 8वी, 10वी, ग्रेजुएशन सभी मान्य है । **पता - भिलाई पावर हाऊस तीन दर्शन मंदिर के पास (छ.ग.) संपर्क करें- मो. 9630371527, 9516251160.** (RO-6672)

शीघ्र आवश्यकता- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए।. आयु 18से 30 बर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करें-, 9165407080, 6261667355.** (आरो-529)

आवश्यकता है- रायपुर देवेन्द्र नगर में ऑफिस कार्य के लिए युवक/ युवती की आवश्यकता है वेतन 6000 से 7000 तक **सम्पर्क करें- 9579931943.** (RO-39937)

आवश्यकता है- जीएसटी अधिवक्ता ऑफिस हेतु 12वीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित **संपर्क करें, प्रभांक ठाकुर टैक्स अधिवक्ता A7 ओम परिसर दुर्ग फोन 9406 266622.** (आरो नं.- SPD/0942)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

देखभाल

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू.10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। **चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ मो. नं. 7225888800.**(आरो-054)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ती के पैकिंग कार्य के लिए लड़की व लेडिस एवं लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क करें - 74699-80000, 0771-4075490.**(RO-6670)

आवश्यकता है- होलसेल दुकान में लड़कों एवं लड़कियो की आवश्यकता कंप्यूटर कार्य मे दक्ष समय सुबह 10 से 9, **संपर्क श्री कृष्णा टेंट एजेंसी अश्वनीनगर लाखेनगर ढाल रायपुर 9893231252.** (RO-151)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- सदर बाजार रायपुर स्थित दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता है । **संपर्क करें Mob. 8982763630.** (RO-526)

आवश्यकता है- सदर बाजार हलवाई लाइन में (जामा मस्जिद के पास) ऑफिस कार्य करने हेतु ऑफिस बॉय (लड़के) की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें:- 9754808388.**(RO-7390)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- आपके अपने क्षेत्र के ब्यूटी पार्लर, कॉस्मेटिक शॉप, जनरल स्टोर, मेडिकल स्टोर में Alfa Youth Brand के पर्सनल केयर (कॉस्मेटिक) बेबी डायपर, सैनेटरी पैड की मार्केटिंग, सेलिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पेमेंट 26000 से 34000, WhatsApp Only **9098427938** (RO-39948)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

ड्रायवर

आवश्यकता है- गायत्री नगर, ?रायपुर? स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की। 10वी पास जरूरी। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। **संपर्क करें- 8349933320, सायं: 6 से 8 बजे तक।**(आरो-468)

केयर टेकर

आवश्यकता है- विकलांग युवक की देखभाल हेतु होनहार. कामकाजी युवक की आवश्यकता है, रहना खाना फ्री वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क नंबर- 7354988225 ऐड्रेस... होटल ए डी टावर सिद्धार्थ चौक टिकरापारा रायपुर।**(आरो-6678)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- माइलस्टोन हेल्थकेयर, अमलीडीह में दवाइयों की पैकिंग हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता (Fulltime/PartTime) वेतनः PartTime (6 घंटे) 4,000 – 4,400 । Fulltime (10 घंटे) 6,200–6,800। स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकताः अमलीडीह, राजेंद्र नगर, देवपुरी, लालपुर, संतोषी नगर **संपर्कः 8749003625 । कार्यालयः माधव एम्पायर, मेडिशाइन हॉस्पिटल के पास, अमलीडीह, रायपुर** (आरो-4076)

सेल्समैन

आवश्यकता है- अग्रवाल फ्यूल्स (पिआजियो अपे ऑटोशोरूम) भिलाई में फिल्ड कार्य हेतु सेल्समैन-2पद की आवश्यकता है, न्यूनतम योग्यता बारहवीं पास, खुद का मोटरसाइकिल होना अनिवार्य है। **संपर्क करें:-मो.- 6264467558** (आरो नं.-227)

होटलगकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - सफाई कर्मचारी, वेटर । रहना खाना फ्री जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी lodge , होटल शिव- प्रभा inn , **पावर हाऊस भिलाई, मो.- 98932 - 15251, 89669-81590.**(आरो नं.-226)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.** (आरो-527)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- वाटर फिल्टर की की मार्केटिंग हेतु स्नातक युवक/युवतियों की आवश्यकता है। कार्य क्षेत्र:- कांकेर - 5 पद , केशकाल - 5 पद। संपर्क - प्रगति बायोटेक, रायपुर। **मो. 9300672838, 9981373887.**(आरो-6675)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- रीजॉय सोलर पावर में सेल्स एग्जीक्यूटिव, वीडियो एडिटर/ वीडियोग्राफर ,**पता- प्रगति नगर मार्केट रिसाली भिलाई ,नियर होटल समाइरा इन मो .9770577527.**(आरो न.-220)

Property प्रापर्टी

मकान/प्लाट

मकान बेचना है- मकान EWS 1528-29 हाउसिंग बोर्ड छावनी, भिलाई वार्ड क्रमांक 26 क्रिकेट स्टेडियम के पास बेचना है एंव मैत्री विहार कॉलोनी शिवा पब्लिक स्कूल के पीछे गार्डन से सटा हुआ दुकान का पूर्व मुखी प्लाट क्रमांक 67 फेज बी 30 वर्ग मीटर शीघ्र बेचना है। **संपर्क:- 8815155454.**(RO-6667)

मकान बेचना है- दुर्ग शहर के टॉप लोकेशन न्यू आदर्श नगर, मीनाक्षी नगर, वृंदावन नगर में 2BHK, 3BHK, 4BHK मकान उपलब्ध एवं बोरसी में 700/-से 2200/- रुपए फिट तक के प्लाट उपलब्ध फाइनेंस सुविधा के साथ **संपर्क - 7888098366.**(आरो न.-10376)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

फर्नीचर

बेचना है- फर्नीचर बेचना है सुपर मार्केट फर्नीचर बेचना है रैक, शेल्फ व कंप्यूटर किसी भी रिटेल दुकान के लिए उपयुक्त, वास्तविक खरीददार ही संपर्क करें प्रात 10:30 से 5:00 तक **संपर्क- 8815858185.** (RO-7391)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- जाति मुस्लिम कुंवारा उम्र 54/हाइट 5'9'', रंग गेहुआ,शिक्षा BA, खुद का घर तलाकशुदा, विधवा,कुंवारी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं है मो. 9425253078 **(10378)**

मुस्लिम वधु चाहिए- सुन्नी मुस्लिम खान उम्र 42 वर्ष हाईट 5'5'' तलाकशुदा निःसंतान छत्तीसगढ़ निवासी शिक्षित युवक के लिए अच्छे परिवार से पढ़ी लिखी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं, संपर्कः- कॉलिंग /व्हाट्सएप 93039 03469 **(530)**

ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'.7''
एजुकेशन b.com
मुबंई निवासी हेतु
सुंदर सुशील युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए
सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें-
6263215412
9229991967

क्या आप देना चाहते है...
अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद
"तलाश की नई सुबह,,
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK
VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

CLASSIFIED RATE CARD

हरिभूमि — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME

1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Display

GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

Healthcare

यौन रोग व यौन कमजोरी

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. बी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

प्रमुख आकर्षण

- नवाचार प्रोत्साहन के लिए सशक्त, समावेशी एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप इकोसिस्टम निर्माण
- हब-एंड-स्पोक मॉडल पर आधारित इनक्यूबेशन नेटवर्क का विकास
- वर्ष 2030 तक 5,000 से अधिक नए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य
- वित्तीय सहायता, इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, बाजार संपर्क, क्षमता निर्माण तथा प्रौद्योगिकी एवं बौद्धिक संपदा समर्थन सुविधाओं का विकास
- ₹100 करोड़ के छत्तीसगढ़ स्टार्टअप (कैपिटल) फंड, ₹50 करोड़ के क्रेडिट रिस्क फंड
- सीड फंड सहायता (₹10 लाख तक)
- ब्याज अनुदान, किराया अनुदान, पेटेंट एवं गुणवत्ता प्रमाणीकरण अनुदान
- रोजगार सृजन सब्सिडी सहित कई महत्वपूर्ण प्रोत्साहनों का प्रावधान
- महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति/जनजाति, दिव्यांगजन, सेवानिवृत्त सैनिक, नक्सल प्रभावित व्यक्तियों के लिए विशेष प्रोत्साहन
- पब्लिक वेलफेयर एवं सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़े स्टार्टअप्स के लिए भी विशेष प्रोत्साहन

नए विचार
नई ऊर्जा
नया विश्वास
अब कल्पनाएं होंगी साकार

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

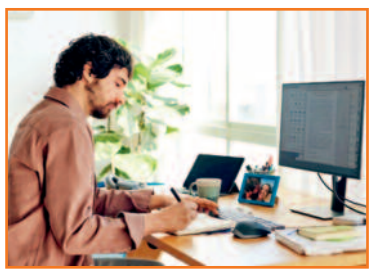

दुनिया इसलिए थकी रफ्तार से: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से लगातार दुनिया तेज रफ्तार जीवनशैली को कामयाबी और स्टेटस सिंबल की तरह पेश करती रही है, तो सवाल है फिर आखिर 21वीं सदी के दो दशक बाद आकर दुनिया का तेज रफ्तारी से मोहभंग क्यों हो गया? इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कोविड के बाद लोगों को जिंदगी की असलियत का एहसास हो गया है कि चाहे जितनी बड़ी कामयाबी हो, चाहे जितनी सुख-सुविधाएं हों और चाहे जितनी संपन्नता हो, लेकिन अगर प्रकृति खफा हो गई, तो जिंदगी की कोई कीमत नहीं रहती। पल भर में सारी कामयाबी, सारी तेज रफ्तारी धरी की धरी रह जाती है। कोविड ने एहसास कराया कि जीवन अस्थायी है। लोग पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दूनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

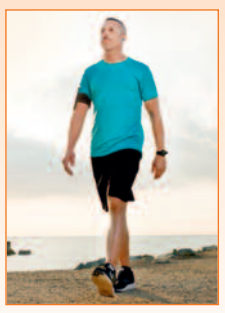

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

ह्यूमन नेचर
शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत

ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में

अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

वासंती दोहे
घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की गांठ।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

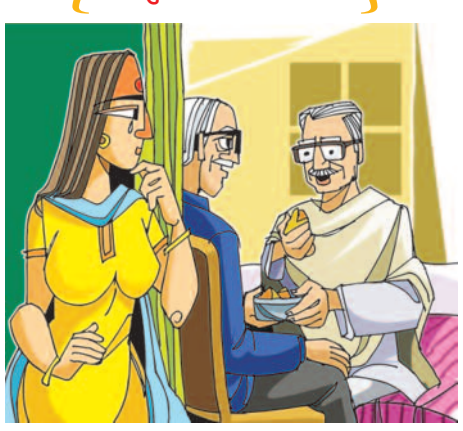

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दरवाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

दिल्ली में कल से दुनिया का सबसे बड़ा 'एआई महाकुंभ': 100 से अधिक देश होंगे शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में भारत अपनी धाक जमाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सोमवार यानि की 16 से 20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में ऐतिहासिक 'एआई इम्पैक्ट समिट' का आयोजन होगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत में होने वाले इस सम्मेलन में 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और शासनाध्यक्ष सहित 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। समिट का मकसद जिम्मेदार एआई शासन, नवाचार तंत्र, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जलवायु-जागरूक प्रौद्योगिकी और उभरती प्रौद्योगिकियों तक समान पहुंच पर संवाद को बढ़ावा देना है। पाकिस्तान को न बुलाने को भारत की डिप्लोमेसी के रूप में देखा जा रहा है।

■ पीएम मोदी ने दिया इन दिग्गजों को आमंत्रण, पाकिस्तान को किया आउट

इन दिग्गजों का लगेगा जमावड़ा

इस समिट के लिए पीएम मोदी ने जिन्हें आमंत्रित किया है उनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस, तकनीक की दुनिया के 'दिग्गज' जैसे सुंदर पिचाई (गूगल), सैम ऑल्टमैन (ओपन एआई), जेन्सेन हुआंग और एलन मस्क जैसे नामों के शामिल होने की संभावना है।

तीन 'सूत्रों' पर आधारित है यह समिट

एआई समिट की थीम तीन मूलभूत सूत्रों पर आधारित है। पहला एआई को आम लोगों के जीवन के लिए सुलभ बनाना। दूसरा- पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन में तकनीक का उपयोग। तीसरा- आर्थिक और सामाजिक विकास की नई ऊंचाइयों को छूना।

भविष्य की नीतियां और स्टार्टअप शोकेस

यह पांच दिवसीय कार्यक्रम केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें महिला नवाचार, युवाओं के लिए एआई जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रम भी होंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वैश्विक एआई मानक तय करना और स्वास्थ्य, कृषि व शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई के व्यावहारिक समाधान ढूंढना है।

जजों के खिलाफ 9 साल में 8600 से ज्यादा शिकायतें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में न्यायपालिका को लेकर आने वाली शिकायतों को लेकर सरकार ने लोकसभा में बड़ा आंकड़ा पेश किया है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लिखित जवाब में बताया कि 2016 से 2025 के बीच मौजूदा जजों के खिलाफ कुल 8639 शिकायतें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के दफ्तर को मिली हैं।

सबसे ज्यादा शिकायतें साल 2024 में आईं, जब जजों के खिलाफ 1170 शिकायतें दर्ज की गईं। कानून मंत्री ने साफ किया कि हाई कोर्ट के जजों और चीफ जस्टिस के खिलाफ आने वाली शिकायतों पर कार्रवाई न्यायपालिका के भीतर मौजूद इन-हाउस मैकेनिज्म के तहत की जाती है। यानी इन मामलों को सरकार नहीं बल्कि न्यायपालिका खुद देखती है।

लोकसभा में सरकार ने बताया 'एक्शन' का प्रोसेस

1997 में दो प्रस्ताव किए थे पास

मंत्री मेघवाल ने बताया कि मई 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने दो अहम प्रस्ताव पास किए थे। पहला रेस्टेटमेंट ऑफ वैल्यूज ऑफ ज्यूडिशियल लाइफ, जिसमें जजों के लिए आचरण के मानक तय किए गए। दूसरा इन-हाउस प्रोसीजर, जिसके तहत उन जजों के खिलाफ उपयुक्त कदम उठाए जाते हैं जो इन मानकों का पालन नहीं करते।

इस प्रकार होता है शिकायतों का बंटवारा

उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के जजों और हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के खिलाफ शिकायतें सीधे सीजेआई को भेजी जाती हैं। वहीं हाई कोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायतों को संबंधित हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देखते हैं। सरकार ने यह भी बताया कि सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवेंस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम या किसी अन्य माध्यम से मिलने वाली शिकायतों को भी संबंधित प्राधिकरण यानी सीजेआई या संबंधित हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भेज दिया जाता है।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाएँ एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई–प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

जैकेट के शेष

उधारी खाते में खेल आयोजन ...

कर रहे हैं। रायपुर जिले में वर्तमान में 36 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हैं। सभी स्कूलों में यही हाल है। एक स्कूल से जुड़े लोगों का कहना था कि कुछ चीजों के लिए उनको उधार का सहारा लेना पड़ा। बिजली बिल का नोटिस भी मिला, बिल अभी भी पेंडिंग है। इसके लिए सरकार से राशि जारी होने की अभी सूचना मिली है।

52 स्वामी आत्मानंद, एक स्कूल ...

होने की वजह से स्कूलों की रंगाई-पोताई नहीं हो पा रही है। इसी पैसे से प्रश्नपत्र प्रिंट करवाने, प्यून का वेतन, शौचालयों की सफाई, स्टेशनरी, प्रवेशोत्सव, वार्षिकोत्सव आदि कार्य किए जाते हैं। पैसे नहीं होने से इन कार्यों में दिक्कतें आ रही है। **पैसे नहीं, इसलिए प्यून नहीं** : सेक्टर 6 स्थित उच्चतर माध्यमिक स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम में पिछले साल से भवन की रंगाई पुताई नहीं हो पाई है। इसी परिसर में पूर्व माध्यमिक शाला स्वामी आत्मानंद स्कूल संचालित है। यहां भी रंग-रोगन नहीं हो सका। स्वामी आत्मानंद स्कूल रिसाली, स्वामी आत्मानंद स्कूल चरोदा में दर्ज संख्या 731 है। वहीं सेजस सेक्टर 9 स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दर्ज संख्या महज 71 है। दर्ज संख्या में इतना अधिक अंतर होने के बाद भी कंटीलजेंसी फंड एक जैसे ही आबंटित किए जा रहे हैं। जहां दर्ज संख्या कम हैं वहां प्रश्नपत्र प्रकाशन, साफ-सफाई आदि में कम खर्च होते हैं।

शिक्षक हैं, लेकिन प्रयोगशाला...

रही है। विशेषकर विज्ञान विषय के विद्यार्थी प्रयोगशाला का समुचित लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। पुराने सरकारी भवन में ही विद्यालय का संचालन होने से लोग इसे उधारी का भवन कहने लगे हैं। 0 **भेजा गया है प्रस्ताव** : नए भवन की मांग की गई है। नए भवन में एक पाली में सारे बच्चे पढ़ सकेंगे। प्रयोगशाला, ग्रंथालय जैसी सुविधा भी बेहतर हो सकेगी। इस संबंध में प्रस्ताव भेजा गया हैं। -जगदीश पात्र, बीईओ, दरभा

0 जारी हो रहे हैं फंड : राज्य से स्वामी आत्मानंद स्कूलों के लिए किश्तों में पर्याप्त कंटीलजेंसी फंड जारी हो रहे हैं। पहले बिजली बिल भी इसी फंड से भुगतान होता था, लेकिन अब इसके लिए राज्य सरकार अलग से फंड जारी कर रही है। -अरविंद मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग

लैब के लिए पैसे नहीं...

में यहां 13 शिक्षक पदस्थ है। स्कूल के लैब में संसाधनों की कमी है, शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए एक ही प्रसाधन है। फंड नहीं होने कारण व्यवस्था भी नहीं हो पा रही। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के प्राचार्य माधव सिंह ने बताया कि यहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक 620 विद्यार्थी अध्यनरत है, जिसमें 145 बालिका और 475 बालक है।

34 आत्मानंद स्कूल, दो ...

को दिसंबर में 79-79 हजार रुपए दिए गए थे इसके बाद कोई राशि नहीं मिली है। प्राचार्यों के अनुसार यहां स्टेशनरी, सफाई, मरम्मत, परीक्षा, टेस्ट व अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए फंड की जरूरत होती है। तिलक नगर स्थित आत्मानंद स्कूल के बच्चों ने बताया कि कई पंखे खराब हैं। टीचर्स के स्टाफ रूम में भी पंखे नहीं हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल में पंखे आए हैं, लेकिन इलेक्ट्रिशियन नहीं लगा रहा है। तारबहार आत्मानंद स्कूल के कुछ क्लास में आज भी बेंच नहीं हैं।

एक साल से बच्चों को ड्रेस भी नहीं मिली : पालकों ने बताया कि कई स्कूलों में एक साल से बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है। नया सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन अब तक न ड्रेस पहुंची है और न ही जरूरी शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। शिक्षकों की भारी कमी के कारण पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

चार स्कूल बंद 300 बच्चों का भविष्य ...

आवाज उठा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि अचानक लिए गए इस फैसले से बच्चों की पढ़ाई और आगे के एडमिशन को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अभिभावकों का कहना है कि दूसरे निजी स्कूलों की महंगी फीस चुकाना संभव नहीं है। इसके साथ ही 20 से अधिक शिक्षकों की नौकरी भी खतरे में हैं।

छग का बजट 27 को...

पूरे किए जाएंगे। नया रायपुर स्थित नए विधानसभा में होने वाले सत्र के दौरान पहले दौरे में पांचवे दिन बजट 27 फरवरी को पेश होने के बाद 28 फरवरी से 8 मार्च तक होली का अवकाश रहेगा। अवकाश खत्म होने के बाद हर विभाग के बजट प्रस्तावों पर चर्चा के बाद पारित किया जाएगा, जो 20 मार्च तक चलेगा। सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों और सत्तापक्ष के जवाब के बीच सदन के हंगामे के आसार हैं। **अब तक लगे 1888 सवाल** : विधानसभा के बजट सत्र को लेकर विधायकों ने अब तक 1888 सवाल लगाए हैं। सत्र के दौरान पहले दिन को छोड़कर शेष दिन प्रश्नकाल होगा। सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा प्रदेश के कई जनहित के मुद्दों पर स्थगन भी लाया जाएगा। सत्र के दौरान 27 फरवरी को नए वित्तीय वर्ष का बजट पेश किया जाएगा। वहीं, सत्ता पक्ष की ओर से प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य और वित्तीय प्रस्ताव सदन पटल पर रखे जाएंगे। वहीं सत्र में लाए जाने वाले विधेयकों पर भी चर्चा की गयी।

विपक्ष इन मुद्दों पर घेरेगा...

कार्य, खाद और बीज के मामले में गड़बड़ी, निर्वाचन में एसआईआर का मामला सहित अन्य मुद्दों को लेकर सदन में विपक्ष सरकार को घेरेगा।

डोडा में वांछित आतंकियों के पोस्टर चिपकाए गए : जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद रोधी अभियान तेज करते हुए डोडा जिले में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में सूचना देने के संबंध में कई अहम स्थानों पर पोस्टर चस्पा किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इनमें प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तानी कमांडर सैफुल्लाह का नाम भी शामिल है।

Dr. SPM International Institute of Information Technology - Naya Raipur (IIIT-NR)
Sector-24, Nava Raipur, Atal Nagar - 493661 (Chhattisgarh)

Recruitment Notice No. 01/2026 Dated 12/02/2026

Dr. S.P. Mukherjee IIIT-Naya Raipur invites applications from eligible candidates for recruitment to following positions on **deputation basis:-**

S.No.	Name of the Post	Pay Scale	Post
1.	Registrar	Level-14	1 (UR)
2.	Chief Finance & Accounts Officer	Level-14	1 (UR)

For all details including last date of application and other updates please visit the website of IIIT-Naya Raipur *https://www.iiitnr.ac.in.*

Registrar (I/c)

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.SANDT_WAT_26_S_PDTML_IMP

कार्य का नाम : (1) वाल्टियर मण्डल के पेन्दुर्ति (PDT) स्टेशन पर द्वैत (Dual) VDU के साथ हॉट स्टैंड बाइ का प्रावधान, (2) वाल्टियर मण्डल के मेन लाइन में सिग्नलिंग गियर की विश्वसनीयता में बेहतरी : (i) केबल रूट मार्कर लगाना (ii) अर्थिंग एवं स्थानों के लिए बाड़ लगाना (iii) नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार विभिन्न सिग्नल एवं टेलीकॉम गियर के लिए पावर केबल, पावर सप्लाई का पृथक्करण (iv) TAN के अनुसार अर्थिंग में बेहतरी।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 2,21,27,492.00, **EMD :** ₹ 2,60,600/-, **पूरा होने की अवधि : 12 महीने।**

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 16.02.2026

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 02.03.2026 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-1118/Q/25-26

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001

Great Place to Work. Certified

भिलाई इस्पात संयंत्र एवं इसके खदानों के चिकित्सालयों में कन्सल्टेन्ट्स (डॉक्टर्स इन मेडिकल डिसिप्लीन्स) की नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू

भिलाई इस्पात संयंत्र एवं इसके खदानों के चिकित्सालयों में कन्सल्टेन्ट्स (डॉक्टर्स इन मेडिकल डिसिप्लीन्स) की नियुक्ति हेतु नीचे दिये गये पात्रता मानदण्डों को पूरा करने वाले चिकित्सकों हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है :-

स. क्र.	पद का नाम	पदों की संख्या	आवश्यक योग्यता	मासिक सम्यक दर मानदेय		पोस्टिंग का स्थान
				भिलाई	माइन्स	
स्पेशलिस्ट:						
1.	जनरल मेडिसिन	1(ई.डब्ल्यू.एस.)	एम.बी.बी.एस. के साथ संबंधित स्पेशिलिटी में पी.जी. डिप्लोमा./ पी.जी. डिग्री।	पी.जी.डिप्लोमा के लिये 1,20,000/-	पी.जी.डिप्लोमा के लिये 1,40,000/-	राजहरा माइन्स
2.	ऑर्थोपेडिक्स	1(एस.सी.)		पी.जी. डिग्री के लिये 1,60,000/-	पी.जी. डिग्री के लिये 1,80,000/-	भिलाई
जी.डी.एम.ओ.:						
1.	जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जी.डी.एम.ओ.)	14(06 अनारक्षित, 03 एस.सी., 01 एस.टी., 03 ओ.बी.सी. (एन.सी.एल.), 01 ई.डब्ल्यू.एस.)	एम.बी.बी.एस.	90,000/-	1,00,000/-	12 पद भिलाई के लिये एवं 02 पद माइन्स के लिये

जी.डी.एम.ओ. के पद को पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम 40% निःशक्तता उपयुक्त माना गया है। अ) ओए, ओएल, बीएल, ओएएल, सीपी, एलसी, डीडब्ल्यू, एएवी (नॉन सर्जिकल जॉब), ब) एसएलडी., स) एमडी (उपरोक्त अ से ब)

"नोट: सिर्फ वही डॉक्टर जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एम.सी.आई.) या नेशनल मेडिकल कमीशन (एन.एम.सी.) या स्टेट मेडिकल काउंसिल (एस.एम.सी.) में पंजीकृत हैं अथवा स्टेट रजिस्टर या नेशनल रजिस्टर में वैध प्रेक्टीशनर लाइसेन्स रखते हों साथ ही विज्ञापन में दर्शित अन्य शर्तो को पूर्ण करतें हों, आवेदन कर सकते हैं।

दिनाँक : 26.02.2026 को ऊपरी आयु सीमा : 69 वर्ष (वाक-इन-इंटरव्यू की तिथि को)

वॉक-इन-इंटरव्यू का कार्यक्रम

दिनांक	समय	स्थान
26.02.2026	रिपोर्टिंग समय प्रातः 09:30 बजे	मानव संसाधन विकास केंद्र (मेन गेट के पास) भिलाई इस्पात संयंत्र

विज्ञापन, आवेदन प्रारूप आदि की पूरी जानकारी के लिये, कृपया हमारी कंपनी की वेबसाइट www.sail.co.in के "Careers" लिंक या https://sailcareers.com. पर जाये।

विज्ञापन क्र.-बीएसपी-21(भर्ती) / 25-26 / दिनांक : 14 / 02 / 2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : 127109DL1973G01006454.Website: www.sail.co.in

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम - छ.रा.वि.मं. की उत्तरवर्ती कम्पनी)
कार्यालय—कार्यपालन अभियंता (परियोजना) संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. कोण्डागांव

क्र./कार्य./अभि./परियोजना/कार्य/2405 कोण्डागांव, दिनांक 13/02/2026

आवश्यक सूचना

समस्त जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यपालन अभियंता (परियोजना) संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. कोण्डागांव के अन्तर्गत नीचे उल्लेखित नवनिर्मित 33 के.व्ही. लाईन को दिनांक 16/02/2026 के बाद कभी भी उजीकृत कर दिया जायेगा, अतः उल्लेखित नवनिर्मित 33 के.व्ही. लाईन के तार, स्टे एवं खंभे आदि से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें एवं लाईन से सुरक्षित दुरी बनायें, उल्लेखित लाईन से किसी प्रकार की दुर्घटना हेतु छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. जवाबदार नहीं होगा।

क्र.	नवनिर्मित 33 के.व्ही. लाईन का नाम	लाईन की लंबाई	ग्रामों का नाम जहाँ से होकर लाईन गुजर रही है।
1	132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र कांकेर से केशकाल में विश्रामपुरी रोड स्थित फोर पोल तक जोड़ने हेतु 33 के व्ही लाईन।	33 कि.मी.	ग्राम– कांकेर, आतुरगांव, खालेमुरवेण्ड, दादरगढ़, कुलगांव, लिमदरहा एवं केशकाल घाटी से लगे हुए अन्य ग्राम।

कार्यपालन अभियंता (परियोजना)
संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. कोण्डागांव

"जल है तो, हम हैं"।
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु वितरणी प्रमण्डल संख्या–09, घाटशिला, शिविर–गालूडीह।
email: eemdd9gha.icha@gmail.com
निविदा आमंत्रण सूचना

संख्या– **WRD/IGC/MDD 09 Galudih/SBD-02/2025-26,**
दिनांक 13.02.2026

ई० निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक	सूची	विवरणी
1	कार्य का नाम	Desilting, uprooting of jungle and shrubs including repair and restoration work of canal from km. 17.22 to km, 29.83 of KRMC.
2	प्राक्कलित राशि (रू० में)	Rs. 3,34,96,292.76
3	परिमाण विपत्र का मुल्य (रू० में)	Rs. 10,000/- (रूपये दश हजार) मात्र
4	अग्रधन की राशि (रू० में)	Rs. 3,35,000/- (रूपये तीन लाख पैंतीस हजार) मात्र
5	कार्य पूर्ण करने की अवधि	180 दिन
6	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	20.02.2026 को 5:00 बजे अपराह्न
7	निविदा प्रपत्र डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि एवं समय	20.02.2026 को 5:00 बजे अपराह्न से 11.03.2026 को 5:00 बजे अपराह्न तक।
8	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	13.03.2026 को 1:00 बजे अपराह्न
9	निविदा प्रकाशित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	ई० शिवराम गागराई, कार्यपालक अभियंता, लघु वितरणी प्रमंडल सं०–09 घाटशिला, शिविर–गालूडीह।
10	ई०–निविदा आमंत्रण सेल का हेल्प लाईन नं०	0657–3510191
11	ई०–प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का मोबाईल नं०	0657–3510191

नोट :–1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार किया जाएगा।
2. प्राक्कलित राशि कम या अधिक हो सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि मान्य होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

(ई० शिवराम गागराई)
कार्यपालक अभियंता लघु वितरणी प्रमंडल सं०–09, घाटशिला, शिविर–गालूडीह।

PR 373004 Water Resource(25-26)D

पेज एक के शेष

छुट्टी पर घर जा रहे ...

झारखंड, कांस्टेबल राजकुमार गौड बलिया यूपी व अभिमान राय छुट्टी मिलने पर होली मनाने अपने-अपने घर जाने के लिए बस्तर से जगदलपुर पहुंचे। शनिवार की सुबह लगभग 5 बजे सभी जवान कार चालक हीरालाल नागर रींवा मप्र निवासी के साथ कार क्रमांक एमपी 17 जेडएच 4897 में सवार जगदलपुर से रायपुर जा रहे थे। धमतरी से गुजरते समय ग्राम खपरी बाईपास में तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक से टकरा गई। इस घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं सवार कार चालक सहित दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई।

शवों का पोस्टमार्टम ...

रायपुर में शवों का पोस्टमार्टम के बाद एम्बाबिंग कर सुरक्षित उनके गृहग्राम तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जताया ...

सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल जवान के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दो शिवधाम, शिवलिंग ...

का उद्भव हुआ। उस स्थान पर बनवाया गया छोटा मंदिर अब भव्य स्वरूप ले चुका है। इसी तरह तरपोंगी के पास स्थित मोहदा गांव में 204 साल पहले तालाब के किनारे भू-फोड़ शिवलिंग का दर्शन लोगों ने किया। यहां शिवरात्रि पर ही नहीं बल्कि होली के दिन भी आस्था का सैलाब उमड़ता है।

राजधानी करीब 40 किलोमीटर दूर धमधा-दुर्ग पर स्थित कोड़िया गांव में इन दिनों भू-फोड़ शिवधाम में आस्था का सैलाब हर सावन और महाशिवरात्रि के अवसर पर उमड़ता है। यहां के पुजारी पंडित रमेश गोस्वामी ने बताया कि मेरे परिवार से चौथी पीढ़ी भुईंया फोड़ शिवधाम की सेवा में लगी है। यहां महाशिवरात्रि से पहले की रात एक बजे से भक्तों के लिए शिवधाम का पट खोला जाता है। यहां की मान्यता है कि महादेव भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं। लोग संतान प्राप्ति के लिए मनौती लेकर शिवधाम में आते हैं। गांव के निवासी 75 वर्षिय फूलचंद धीवर ने बताया कि हमारे दादा-परदादा बताते थे, कि जिस जगह पर अभी भगवान का शिवधाम है, वहां पर मालगुजारी के दौर में घुरवा हुआ करता था। इसके पास ही खुला कुंआ था, जिसमें लोग ही नहीं जानवर भी गिरते थे तो उनको किसी प्रकार की हानि नहीं होती थी। जब घुरवा की सफाई करवाई गई, तो वहां भू-फोड़ शिवलिंग दिखाई दिया।

कोड़िया गांव को शिवधाम ...

कपूर की तरह सफेद और चमकदार दिखाई देता है। आंख खोलने पर लोग सामान्य स्वरूप में ही दर्शन प्राप्त करते हैं। घुरवा के पास अब मंदिर और उसके पास स्थित कुंआ अब भी यथावत है।

मोहदेश्वर महादेव में ...

64 साल से लोग होलिका दहन की रात में ही गांव की सरहद में पहुंचते हैं। लोगों की भीड़ हर साल बढ़ने से मेला भी लगने लगा है। इसे देखते हुए गांव के लोग होली दोपहर 12 बजे के बाद ही मनाते हैं। इतना ही नहीं महाशिवरात्रि पर आस्था का सैलाब उमड़ता है। रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 33 किलोमीटर चलने के बाद भक्त तरपोंगी पहुंचते हैं। यहां से 2 किलोमीटर की दूरी पर मोहदा गांव है। यहां की तपोभूमि को मोहदेश्वर धाम के नाम से जाना जाता है। यहां शिवलिंग का कद बढ़कर ढाई फीट हो गया है।

सावन में मनौती, होली की रात जलाभिषेक : 86 वर्षीय माखन लाल वर्मा ने बताया कि गांव के बाहर रानी सागर तालाब के किनारे 204 साल पहले लोगों ने भू-फोड़ शिवलिंग का स्वरूप देखा था जो स्वतः ही जमीन से बाहर आने से आस्था का केंद्र बन गया। सावन के महीने में लोग शिवलिंग का दर्शन करने और मनौती के लिए पहुंचते हैं। जिन लोगों की मन्नत पूरी होती है, वे हर साल होलिका दहन की रात महादेव को जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। इसके चलते 64 साल से गांव के लोग होली का पर्व दोपहर के बाद मनाते हैं। सरपंच भरत रात्रे और हिमांशु ने बताया, होली से पहले मंदिर का रंग-रोगन किया जाता है।

साथ ही मेला स्थल की सफाई के बाद तीन दिन पहले ही रोशनी के लिए लाइट लगाई जाती है।

गांव के किसी भी घर में नहीं लगाते हैं ताला : 86 वर्षीय माखन लाल वर्मा बताते हैं कि भू-फोड़ शिवलिंग कब निकला, इसे बता पाना मुश्किल है।

संतोष बिजौरा ने बताया कि होलिका दहन की रात गांव में किसी भी घर में ताला नहीं लगाया जाता है।

असम में रचा इतिहास...

को एक आपातकालीन लैंडिंग सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा, रणनीतिक दृष्टि से और प्राकृतिक आपदाओं के समय, यह सुविधा अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

बड़े अफसरों के ...

विवाद के बाद आया है। मामले पर शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि कई मंत्रियों ने कहा कि जो लोग सत्ता में बड़े पद पर रहे हैं, उन्हें किताब लिखने से पहले इंतजार करना चाहिए।

क्यों नहीं प्रकाशित ...

सेवानिवृत्त कर्मचारी संस्था से जुड़े विषय पर कुछ भी प्रकाशित करना चाहता है तो उसे पहले आवश्यक अनुमति लेनी होती है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय धमतरी
मुजगहन, पोस्ट- लोहरसी, जिला -धमतरी (छ.ग.)-493773,
फोनः 07722-296733

// चल-साक्षात्कार सूचना //

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय धमतरी में सत्र 2026-27 के लिए अंशकालीन संविदा शिक्षकों का पैनल बनाने के लिए चल-साक्षात्कार (Walk in Interview) का आयोजन **दिनांक 25.02.2026 (बुधवार) एवं 26.02.2026 (गुरुवार)** को निम्नानुसार **सुबह 8:30 बजे** से विद्यालय परिसर में किया जाना है।

पंजीयन समयः सुबह 08:30 से 10:00 बजे तक ।

दिनांक एवं दिन	पद एवं विषय
25.02.2026 (बुधवार)	**स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी)**- अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं कंप्यूटर साइंस. **प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी)**- अंग्रेजी, गणित, सामाजिकविज्ञान एवं संस्कृत. कंप्यूटर अनुदेशक (Computer Instructor)
26.02.2026 (गुरुवार)	प्राथमिक शिक्षक (PRT), बालवाटिका-शिक्षक, Special Educator (PRT), स्पोर्ट्स कोच, ATL/ Vocational Instructor

शैक्षणिक योग्यता, वेतन एवं सेवा शर्तों तथा विस्तृत जानकारी हेतु विद्यालय के वेबसाइट का अवलोकन करें। साक्षात्कार के समय आवेदक को अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ स्वप्रमाणित फोटोकॉपी की एक प्रति तथा पासपोर्ट फोटो प्रस्तुत करना होगा। इच्छुक एवं योग्य आवेदक आवेदन पत्र के प्रारूप को विद्यालय के **वेबसाइट** https://dhamtari.kvs.ac.in/ से डाउनलोड करें एवं भरे हुए प्रारूप के साथ साक्षात्कार हेतु निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित हों ।

प्राचार्य
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय धमतरी

आम सूचना

(मौजा बोरियाकला, प.ह.नं. 81. जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि के संबंध में)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्री गोपाल गाँधी पिता श्री सत्यनारायण गाँधी निवासी बस स्टैंड, बड़े उरला, वार्ड नं. 14, अभनपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि मौजा बोरियाकला, प.ह.नं. 81, रा.नि.मं. रायपुर-18-कांदुल, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित खसरा नंबर 1263/4 एवं 1264/1 रकबा क्रमशः 0.0428 एवं 0.0260 हेक्टेयर अर्थात कुल रकबा 0.0688 हेक्टेयर जो कि रायपुर-धमतरी मुख्य मार्ग पर स्थित है, को क्रय करने का सौदा तय कर बयाना राशि अदा कर चुके है। अब केवल सौदे की शेष राशि अदा कर विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त संव्यवहार या उसके किसी भाग के स्वामित्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, निकाय, बोर्ड या निगम, प्राधिकरण, साहूकार, शासन एवं प्रशासन आदि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति सुसंगत दस्तावेजों सहित मेरे समक्ष नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करें, अन्यथा समयावधि उपरांत उक्त संपत्ति का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा करवा लिया जावेगा, तत्पश्चात प्राप्त कोई भी आपत्ति या दावा झूठा एवं नाजायज माना जावेगा तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी वो बाध्यकारी नहीं होगा। सो सूचना जाने।

स्थान : रायपुर (छ.ग.)
दिनांकः 14/02/2026

भवदीय
हेमन्त डहरवाल, अधिवक्ता
शॉप नं. 2-3, प्रथम तल, बाबजी कॉम्पलेक्स श्याम टाकिज रोड, बुढ़ापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं.- 9993952220

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
SPECIAL WORKS DIVISION, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT, Ranchi

CORRIGENDUM-1

e-Procurement Tender Reference No:- BCD/EE, Special Works Div, BCD, Ranchi-41/2025-26 Date:-06.02.2026, PR No-372536 Building(25-26).D Proposed Construction of Jharkhand Bhawan at Vashi, Navi Mumbai, Maharastra कार्य से संबंधित है, के तिथियों में अपरिहार्य कारणवश संशोधन किया जा रहा है जिसका विवरणी निम्नवत है:-

क्र0 सं0	मद	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	13.02.2026	17.02.2026
2	प्री बीड मिटिंग की तिथि/समय	24.02.2026 at 1.00 P.M	26.02.2026 at 1.00 P.M
3	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	16.03.2026 at 1.00 P.M	18.03.2026 at 1.00 P.M
4	निविदा खोलने की तिथि/समय	17.03.2026 at 1.00 P.M	19.03.2026 at 1.00 P.M

शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer, Special Works Division
Building Construction Department, Ranchi .

PR 373003 (Building) 25-26 (D)

शब्द पहेली - 6139

बाएँ से दाए

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 6138 का हल

अ	स	ह	नी	य	■	■	क	लि	का	■
प	र	■	ला	■	सा	ग	र	■	बु	आ
ह	■	■	प	ह	रा	■	ण	■	■	खे
र	स	खा	न	■	■	म	■	क	प	ट
ण	■	लि	■	न	भ	च	र	■	रा	■
■	आ	स	■	सी	■	ल	■	ग	स्त	■
■	रा	■	प	ह	न	ना	■	रु	■	ड
शा	म	त	■	त	■	■	ता	र	ता	र
य	■	■	तै	■	जा	हि	र	■	■	ल
द	म	■	र	सी	ला	■	पी	■	ज	ग
■	न	गी	ना	■	■	म	न	भ	र	ना

सूडोकू नवताल - 6149

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
				6			7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से भरे गये अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6148 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

MANGAL BENACHA, BANGALORE

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

जेन जी और मिलेनियल्स की पहली पसंद बना सोना

इस समय सोना निवेश का बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स यानी युवा भारतीयों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, लेकिन इसे खरीदने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। स्मिटन पल्सएआई के सर्वे में सामने आया है कि सोने की खरीद अब अधिक व्यक्तिगत और छोटी रकम/मात्रा में होने लगी है। 18-39 वर्ष के 5,000 उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार पारंपरिक, परिवार-केंद्रित खरीदारी की जगह अब तर्क-आधारित और व्यक्तिगत फैसलों का महत्व बढ़ रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स सोने की खरीद को अब शादी-समारोह से आगे बढ़कर व्यक्तिगत माइलस्टोन और पहली सैलरी जैसे शुरुआती निवेश के रूप में देख रहे हैं।

सुरक्षा के मामले में पहली पसंद

आधुनिक निवेश विकल्पों की बढ़ती पहुंच के बावजूद युवा भारतीयों के लिए सोना अब भी सबसे भरोसेमंद निवेश बना हुआ है। सर्वे के अनुसार यदि आज 25,000 रुपये निवेश करने हों तो 61.9% उत्तरदाता सोने को चुनेंगे। यह आंकड़ा म्यूचुअल फंड (16.6%), फिक्स्ड डिपॉजिट (13%), शेयर बाजार (6.6%) और क्रिप्टो (1.9%) से काफी आगे है। आर्थिक अनिश्चितता के समय भी सोने पर भरोसा कायम है। 65.7% लोगों ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है। यह ट्रेंड दर्शाता है कि जेन जी और मिलेनियल्स दोनों के लिए सोना अब भी वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख सहारा बना हुआ है।

छोटी खरीदारी बन रही नया ट्रेंड

सर्वे से स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब सोने की बड़ी और कम अंतराल वाली खरीदारी से हटकर छोटी और नियमित खरीदारी का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। हाल की 61.9% खरीद 5 ग्राम से कम की रही, जिसमें 27.5% लोगों ने 2 ग्राम से कम और 34.4% ने 2 से 5 ग्राम के बीच सोना खरीदा। अब 42% परिवार समय-समय पर छोटी मात्रा में सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं, जबकि 58% अभी भी एकमुश्त और अवसर आधारित खरीद करते हैं।

खरीद के बाद पछतावा भी बड़ा संकेत

सर्वे की सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि सोना खरीदने के बाद बड़ी संख्या में युवा उपभोक्ता असमंजस या पछतावा महसूस करते हैं। करीब 67.1% उत्तरदाताओं ने माना कि उन्हें अक्सर या कभी-कभी सोना खरीदने के बाद पछतावा हुआ है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह खरीदी गई कीमत (38.9%) रही, जबकि 33.5% लोगों ने ज्वैलरी, सिक्के या डिजिटल गोल्ड जैसे फॉर्मेट को लेकर भ्रम को कारण बताया। वहीं 18.8% ने पर्याप्त जानकारी के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। यह ट्रेंड दिखाता है कि सोने पर भरोसा मजबूत है, लेकिन खरीद प्रक्रिया को लेकर युवाओं का आत्मविश्वास अभी भी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है।

भविष्य में सोना खरीदने का इरादा

लोग भविष्य में भी खूब सोना खरीदना चाहते हैं। इस सर्वे में यह भी सामने आया कि भविष्य में सोना खरीदने का इरादा बहुत मजबूत है। 52.7% उत्तरदाता अगले 12 से 24 महीनों में सोना खरीदने के लिए "बहुत संभावना" दिखाते हैं। कुल मिलाकर सोने का स्थान युवा भारतीयों के बीच अब भी अडिग है, हालांकि खरीदारी के तरीके बदल रहे हैं। छोटे निवेश, व्यक्तिगत निर्णय और पारंपरिक खरीदारी चैनल्स में भरोसा दर्शाता है कि सोना का आकर्षण मजबूत है और आने वाले समय में भी यह सुरक्षित निवेश के रूप में रहेगा।

परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण

निवेश के मामले में परिवार की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन सोने की खरीद के फैसले अब तेजी से व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 66.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि आज सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत और स्वयं प्रेरित निर्णय बन चुका है, न कि केवल पारिवारिक प्रभाव से लिया गया फैसला। 42.3% लोगों ने बताया कि उनके घर में हाल की सोने की खरीद की पहल उन्होंने खुद की, जबकि 40% ने माता-पिता या बड़े परिवार के सदस्यों को इसका श्रेय दिया। यह बदलाव पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर को दिखाता है। जेन जी अब कब और कैसे सोना खरीदना है, इसका फैसला खुद लेने में अधिक आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और इसे व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय मानते हैं। वहीं, मिलेनियल्स अब भी गोल्ड को परिवार की योजना और दीर्घकालिक सुरक्षा के नजरिए से देखते हैं, जहां खरीदारी सामूहिक प्राथमिकताओं से प्रभावित रहती है।

अब शादियों तक सीमित नहीं

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार सोना खरीदना अब केवल शादी जैसे अवसरों तक सीमित नहीं रहा। 24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं। सोने की खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है। इसके बावजूद सोने की खरीदारी में अभी भी पारंपरिक चैनल्स पर भरोसा अधिक है। सर्वे के अनुसार, 38.3% लोग सबसे अधिक सोना बड़ी ब्रांडेड ज्वेलरी चेन से खरीदते हैं, जबकि 34.7% उपभोक्ता स्थानीय ज्वैलर पर भरोसा करते हैं। इसके विपरीत, केवल 5.2% लोग ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप के जरिए सोना खरीद रहे हैं। खरीद से जुड़ी चिंताओं में शुद्धता और प्रामाणिकता सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आई, जिसे 49.4% उत्तरदाताओं ने प्रमुख कारण बताया।

शेयर बाजार की बदहाली से इक्विटी म्यूचुअल फंड में घटा निवेश

शेयर बाजार में इन दिनों उठा-पटक का दौर चल रहा है। किसी दिन शेयर बाजार का सूचकांक कुलांचे भरते हुए ऊपर चढ़ जाता है तो किसी दिन जमीन पर लोटने लगता है। तभी तो इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ। स्थिति यह रही कि इस महीने गोल्ड ईटीएफ में इक्विटी म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा निवेश हुआ। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुल फंड्स में 24,028 करोड़ रुपये आए। इससे एक महीने पहले यानी दिसंबर 2025 के दौरान 28,054 करोड़ रुपये आए थे। मतलब कि इस महीने निवेश में 14% की कमी आई है। यदि साल दर साल के आधार पर देखें तो जनवरी 2025 की तुलना में इस साल जनवरी में यह गिरावट 39% रही है। पिछले साल जनवरी के दौरान इस फंड में 39,687 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

इक्विटी फंड्स में कौन पहली पसंद : जनवरी के दौरान अलग-अलग तरह के इक्विटी फंडों में, फ्लेक्सीकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा 7,672 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद मिडकैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज एंड मिड-कैप फंड में 3,181 करोड़ रुपये का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 2,942 करोड़ रुपये आए, लेकिन ईएलएसएस फंड से निवेशकों ने 593 करोड़ रुपये निकाल लिए। अगर पिछले महीने से तुलना करें, तो फोकस्ड फंड में निवेश 47% बढ़ा। दिसंबर 2025 में इनमें 1,056 करोड़ रुपये आए थे, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 1,556 करोड़ रुपये हो गए। लार्जकैप फंड और सेक्टोरल/ थीमैटिक फंड में भी पिछले महीने की तुलना में क्रमशः 28% और 10% ज्यादा निवेश आया। वहीं, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड में निवेश पिछले महीने के मुकाबले 24% और 23% घट गया।

डेट फंड का चला जादू

जनवरी 2026 के दौरान डेट फंड में 74,827 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह अच्छी खबर है क्योंकि पिछले दो महीनों (नवंबर और दिसंबर 2025) में डेट फंड से कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये बाहर चले गए थे। पिछले साल जनवरी की तुलना में इस साल डेट फंड में निवेश 42% कम रहा, जब 1.28 लाख करोड़ रुपये आए थे। डेट फंड की 16 अलग-अलग श्रेणियों में से, ओवरनाइट फंड में सबसे ज्यादा 46,280 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड से 11,472 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। लिक्विड फंड में 30,681 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड में 12,763 करोड़ रुपये का निवेश आया।

बिजनेस साइट

आधुनिक प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'अविनाश कॉस्मो सिटी' का हुआ भव्य शुभारंभ, मिला शानदार रिस्पांस

रायपुर। अविनाश ग्रुप की ओर से प्रस्तुत 'अविनाश कॉस्मो सिटी' प्लॉटिंग प्रोजेक्ट का भव्य शुभारंभ शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। दो दिवसीय लॉन्चिंग इवेंट के पहले दिन ही ग्राहकों का शानदार प्रतिसाद देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों ने साइट विजिट कर प्लॉट बुकिंग में रुचि दिखाई। शुभारंभ अवसर पर अविनाश ग्रुप के एमडी आनंद सिंघानिया, डायरेक्टर प्रतीक शर्मा, जीएम सेल्स विपिन झा, जीएम सेल्स राकेश कौशिक, जीएम मार्केटिंग अभिषेक शर्मा, प्रोजेक्ट सेल्स हेड सोनराज शर्मा सहित कंपनी के अन्य स्टाफ और ग्राहक उपस्थित रहे। लगभग 19 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस प्रोजेक्ट में करीब 318 प्लॉट हैं। आधुनिक शहरी सोच और प्रकृति के संतुलन के साथ तैयार की जा रही 'अविनाश कॉस्मो सिटी' परिवारों और निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनकर उभर रही है। परसुलीडीह, अंबुजा मॉल के पास स्थित यह परियोजना बेहतर कनेक्टिविटी के साथ विकसित की गई है। यहां से रिंग रोड, प्रमुख बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध है। मास्टर प्लान के तहत प्रोजेक्ट को सुव्यवस्थित लेआउट, चौड़ी आंतरिक सड़कों और भविष्य के विस्तार की संभावनाओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। परियोजना में आधुनिक क्लब हाउस, स्विमिंग पूल, बच्चों के लिए सुरक्षित एवं आकर्षक किड्स प्ले एरिया, शांत मंदिर परिसर, सुव्यवस्थित बस स्टॉप, हरियाली से युक्त ओपन स्पेस तथा फैमिली-फ्रेंडली वातावरण जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

महंगाई के दौर में बच्चों के लिए बनाएं फंड

उच्च शिक्षा के लिए करें मजबूत प्लानिंग

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बन चुकी है, लेकिन इसके साथ स्कूल और कॉलेज की फीस सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल बोर्ड, प्रोफेशनल कोर्स, विदेश में पढ़ाई, हॉस्टल और रहने-खाने का खर्च ये सभी मिलकर उच्च शिक्षा को बेहद महंगा बना देते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे समय रहते अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाएं। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता एक अनुमानित रकम तय कर लेते हैं और हर महीने एसआईपी शुरू कर देते हैं। यह एक अच्छा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल एसआईपी पर निर्भर रहना पर्याप्त है? बदलते आर्थिक हालात और शिक्षा महंगाई को देखते हुए जवाब है नहीं। जरूरत है एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति की।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ा फायदा

उच्च शिक्षा की योजना में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यदि बच्चा छोटा है और आप अभी से निवेश शुरू करते हैं, तो कंपाउंडिंग का लाभ कई गुना बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप 10–15 साल तक नियमित एसआईपी करते हैं, तो छोटी-छोटी मासिक बचत भी बड़ा फंड बना सकती है। देर से शुरुआत करने पर आपको अधिक रकम निवेश करनी पड़ सकती है, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है।

एक निवेश विकल्प पर निर्भर न रहें

अक्सर लोग पूरे शिक्षा फंड को इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर देते हैं और फीस भरने तक उसे वहीं रखते हैं। लेकिन यदि फीस के समय बाजार में गिरावट आ जाए, तो आपके फंड की वैल्यू घट सकती है। इसलिए जरूरी है कि जैसे-जैसे फीस का समय नजदीक आए, निवेश को सुरक्षित विकल्पों में शिफ्ट किया जाए। उदाहरण के लिए लक्ष्य से 3–4 साल पहले धीरे-धीरे डेट फंड या एफडी में ट्रांसफर करें। अंतिम 1–2 साल में जोखिम बहुत कम कर दें और पैसा लिक्विड या सुरक्षित साधनों में रखें। यह रणनीति आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाती है।

शिक्षा महंगाई का सही अनुमान लगाएं

भारत में शिक्षा महंगाई दर सामान्य महंगाई से अधिक, लगभग 8–12% तक मानी जाती है। यदि आज किसी कोर्स की फीस 10 लाख रुपये है, तो 10 साल बाद वही कोर्स 20–25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसलिए भविष्य की लागत का अनुमान लगाते समय महंगाई को शामिल करना जरूरी है। केवल वर्तमान फीस देखकर योजना बनाना पर्याप्त नहीं है।

अन्य खर्चों को भी जोड़ें

अक्सर माता-पिता केवल ट्यूशन फीस को ध्यान में रखकर फंड बनाते हैं, जबकि वास्तविक खर्च इससे कहीं अधिक होता है। विशेषकर विदेश में पढ़ाई के मामले में रहने और खाने का खर्च, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, एप्लिकेशन फीस, इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट खर्च इन सभी खर्चों को जोड़कर ही वास्तविक लक्ष्य तय करें। विदेश में पढ़ाई का खर्च तो डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में होने के कारण और भी बढ़ सकता है।

एजुकेशन लोन से न घबराएं

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को नकारात्मक नजर से देखते हैं, लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। यदि समझदारी से लिया जाए, तो एजुकेशन लोन रिटायरमेंट सेविंग्स को बचाने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास शिक्षा और रिटायरमेंट दोनों के लिए सीमित फंड है, तो शिक्षा के लिए आंशिक लोन लेकर आप अपने रिटायरमेंट कॉर्पस को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा, एजुकेशन लोन पर टैक्स लाभ भी मिलता है और पढ़ाई पूरी होने के बाद बच्चे खुद इसे चुकाने में योगदान दे सकते हैं।

रिटायरमेंट से समझौता न करें

बच्चों की पढ़ाई महत्वपूर्ण है, लेकिन अपनी रिटायरमेंट सुरक्षा को नजरअंदाज करना भविष्य में आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। शिक्षा के लिए आप लोन ले सकते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के लिए नहीं। इसलिए दोनों लक्ष्यों में संतुलन बनाना जरूरी है।

SHIVA EMBROCATION OIL
शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal
MD, DM (Cardiology)
Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी
MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी
MBBS, MS (OBG) FRM
स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी,
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेगनेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें
एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें
मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केलाल लिकिम रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • आर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

वैरिकोज वेन्स & VASCULAR Clinic
वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे
MD DNB FVIR
Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

पाइल्स
क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

मैच-अप : बुमराह-फरहान और हार्दिक-तारिक की भिड़ंत बनेगी हाइलाइट

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

आधुनिक टी20 क्रिकेट में डेटा की भूमिका काफी अहम होती है और इसी वजह से मैच-अप (एक टीम के खिलाड़ी विशेष का दूसरे टीम के खिलाड़ी विशेष से मुकाबला) को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ की चर्चा में अहम स्थान प्राप्त होता है। गौतम गंभीर और माइक हेसन दोनों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर 'मैच-अप' पर फोकस करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत-पाक मुकाबलों की कमी के कारण ज्यादा डेटा नहीं है। प्रशंसकों के लिए पांच संभावित रोमांचक मैच-अप पेश कर रहे हैं। मैच में अगर बारिश ने खलल नहीं डाला तो यह काफी दिलचस्प होगा।

साहिबजादा फरहान बनाम जसप्रीत बुमराह

पिछली बार जब ये दोनों आमने-सामने आए थे तब फरहान दो छक्के लगाकर बुमराह पर भारी पड़े थे और ऐसे चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में शामिल हो गए, जिन्होंने एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में बुमराह को दो छक्के मारें। फरहान ने इस प्रदर्शन का जिक्र एक विज्ञापन वृत्तचित्र में भी किया था। नामीबिया के खिलाफ बुमराह को पावरप्ले में नहीं गेंदबाजी करने का मौका मिला, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर की रणनीति देखने में रोचक होगी। आंकड़े बताते हैं कि फरहान ने तीन मैचों में बुमराह की 34 गेंदों का सामना किया और बिना आउट हुए 51 रन बनाए।

बाबर आजम बनाम कुलदीप यादव

कुलदीप यादव ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बाबर आजम को कभी गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के इस बल्लेबाज को तीन मैचों में आउट किया। बाबर ने कुलदीप के खिलाफ 52 गेंदों में सिर्फ 28 रन बनाए है। कुलदीप का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। एशिया कप टी20 में भी जब बाबर टीम में नहीं थे। उन्होंने तीन मैचों में पाकिस्तान के आठ विकेट लिए, जिनमें फाइनल में चार विकेट शामिल थे। कुलदीप बनाम बाबर मुकाबला देखने के लिए गंभीर को अर्शदीप सिंह की जगह इस कलाई के खब्बू स्पिनर को एकादश में शामिल करना होगा।

हार्दिक पंड्या बनाम उस्मान तारिक

अगर किसी भारतीय बल्लेबाज के पास उस्मान तारिक की 'स्टॉप एंड स्लिंग एक्शन' की रहस्य को तोड़ने का सबसे अच्छा मौका है, तो वह हार्दिक पंड्या हैं। यह देखने में मजा आएगा कि सलमान अली आगा तारिक का उपयोग कैसे करते हैं, खासकर सातवें से 16वें ओवर में जब इस मैच-अप के मुकाबले के अवसर ज्यादा होंगे। तारिक का क्रीज पर रुकना बल्लेबाज की योजना बिगाड़ सकता है, लेकिन पंड्या की बैक-लिफ्ट, मजबूत कोर और बड़े शॉट के लिए समान बल्ले की गति बनाने की क्षमता उन्हें फायदा देती है।पंड्या आम तौर पर गेंद फेंके जाने के बाद ही प्रतिक्रिया देते है।

शिवम दुबे बनाम अबरार अहमद, शादाब अहमद

स्पिनरों और खासकर कलाई के स्पिनरों के खिलाफ शिवम दुबे का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बाएं हाथ के इस लंबे कद के बल्लेबाज का स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट 193 से अधिक का रहा है। ईश सोढ़ी जैसे दायें हाथ के लेग स्पिनर के खिलाफ भी दुबे ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कड़ा प्रहार किया है। पाकिस्तान के अबरार अहमद और शादाब अहमद के खिलाफ दुबे अपने बड़े शॉट को आजमाने से पीछे नहीं हटेंगे।

ईशान किशन बनाम अफरीदी

अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में ईशान किशन शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ अपने स्ट्रोक की रेंज के साथ धावा बोल सकते हैं। वहीं, यह देखना रोमांचक होगा कि अफरीदी शॉर्ट-बॉल का प्रभावी इस्तेमाल कैसे करते हैं, क्योंकि किशन बहुत लंबे नहीं हैं। किशन का उसका जवाब देना काफी रोचक होगा।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे अभिषेक, सूर्या ने कहा- विपक्षी टीम जैसा चाहती हैं वैसा ही होगा

कोलंबो। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कन्फर्म किया है कि अभिषेक शर्मा ठीक हो गए हैं और 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सूर्यकुमार यादव ने मैच के पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अगर अगर पाकिस्तान चाहता है कि हम अभिषेक को खिलाएं तो ठीक है वो रविवार को होने वाले मुकाबले में खेलेंगे। आपको बता दें कि सूर्यकुमार का ये बयान तब आया जब पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि अभिषेक ठीक हो रहे हैं क्योंकि उनकी टीम सबसे अच्छी भारतीय टीम के खिलाफ खेलना चाहती है।

ओमान के 8 बल्लेबाज नहीं पहुंच सके दोहरे अंक तक

आयरलैंड ने बनाया 235 रन का बड़ा स्कोर, ओमान को हराया, लोरकान टकर ने खेली नाबाद पारी

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए और उनकी पारी के दम पर आयरलैंड ने 3 विकेट पर 47 से उबरते हुए इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए। ओमान के 8 बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो-दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं।

आमिर ने लगाया 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक

ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराया

कोलकाता। इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से मात दी। यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही, जिसके साथ टीम ने ग्रुप-सी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।ईडन गार्डन्स में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवरों में महज 152 रन पर सिमट गई। इस टीम को 18 के स्कोर तक 2 झटके लग चुके थे, जिसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन ने माइकल जोन्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की। जोन्स 20 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बेरिंगटन ने टॉम ब्रूस के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 71 रन जोड़ते हुए टीम को 113 के स्कोर तक पहुंचाया।

द.अफ्रीका ने लगाई जीत की हैट्रिक न्यूजीलैंड को सात विकेट से दी मात

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के 24वें मुकाबले में 7 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने टूर्नामेंट में जीत की हैट्रिक लगा दी है। साउथ अफ्रीका ने अपने पहले मैच में कनाडा को 57 रन से हराया था, जिसके बाद अफगानिस्तान के विरुद्ध रोमांचक मुकाबले के दूसरे सुपर ओवर में जीत हासिल की थी। यह टीम ग्रुप-डी की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है, जबकि 3 में से 2 मैच जीतकर न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 7 विकेट खोकर 175 रन बनाए। मार्को जानसेन ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 सफलता प्राप्त की।

इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 17.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। मार्करम ने 44 गेंदों में 4 छक्कों और 8 चौकों के साथ 86 रन की नाबाद पारी खेली। न्यूजीलैंड की तरफ से लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम और रचिन रवींद्र ने 1-1 सफलता हासिल की।

दुनिया में अब तक खोजे गए सबसे दुर्लभ जीवाश्म

जीवाश्म विज्ञानी विभिन्न प्रकार के जीवाश्म खोजने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ज्यादातर जीवाश्म विज्ञानी डायनासोर के जीवाश्मों की खोज करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, जाने अनजाने उन्हें कई अनोखे और दुर्लभ जीवों के जीवाश्म भी मिल जाते हैं। इन सभी के जरिए कई रहस्यों की गुत्थी खुल जाती है और नए जीवों के बारे में अहम जानकारी मिलती है। आइए दुनिया के 4 सबसे दुर्लभ जीवाश्मों के बारे में जानते हैं।

मछली के फेफड़े का जीवाश्म : फरवरी 2021 में वैज्ञानिकों को मछली की एक नई प्रजाति मिली थी, जो सदियों पहले विलुप्त हो गई थी। उन्हें इस मछली के फेफड़े का जीवाश्म मिला था। इसके जरिए सामने आया कि यह मछली विशाल सफेद शार्क जितनी बड़ी थी। इसे कोइलाकैंथ कहा जाता है, जिसके फेफड़े का जीवाश्म करीब 6.6 करोड़ साल पुराना है। यह अनोखा जीवाश्म मोरक्को में खोजा गया था। फेफड़े को हुए नुकसान से पता चलता है कि इसे किसी प्लेसियोसॉर मछली ने मारा होगा।

टुली राक्षस का जीवाश्म

टुली राक्षस का जीवाश्म अब तक खोजा गया सबसे दुर्लभ जीवाश्म है। यह स्ट्रिप खदानों में माजोन क्रीक संरचना में पाया गया था, जो लगभग 30 करोड़ साल पुराना है। इसे 1955 में शौकिया जीवाश्म शिकारी फ्रांसिस टुली ने खोजा था। यह एक लंबे कीड़े का जीवाश्म था, जिसकी डंठल जैसी आंखें, छोटे दांतों वाली लंबी सूंड और पूंछ के पास पंख हुआ करते थे। सदियों तक इस जीव की पहचान कर पाना मुश्किल हो गया था।

बिना सींग वाले विशाल गैंडे का जीवाश्म

2021 में चीन में शोधकर्ताओं को एक 26.5 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला था। यह एक बिना सींग वाले विशाल गैंडे का जीवाश्म था। पैरासेराथेरियम लिनक्सियान्स नाम के इस गैंडे की लंबाई 6 फीट और ऊंचाई 16.4 फीट थी। इसका वजन 24 टन हुआ करता था, जो चार अफ्रीकी हाथियों के बराबर है। इस गैंडे को दुनिया के सबसे विशाल जानवरों में से एक माना जाता है। शोधकर्ता इस जानवर की हड्डियों के आकार को देखकर हैरान रह गए थे।

अमर केकड़े का जीवाश्म

एम्बर एक कठोर, पीले रंग का पदार्थ होता है, जो लाखों सालों में प्राचीन वृक्षों के रस से बनता है। इसके अंदर कई बार जानवर रह जाते हैं और जीवाश्म में तब्दील हो जाते हैं। 2021 के अक्टूबर महीने में शोधकर्ताओं को एक अनोखा एम्बर मिला था, जिसके अंदर एक केकड़ा मौजूद था। इससे यह केकड़ा अमर हो गया यानि उसका शरीर सदियों से उसी अवस्था में है, जैसा पहले हुआ करता था।

चेरनोबिल में मिले कुत्तों के नीले रंग ने सभी को किया हैरान

चेरनोबिल। चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास चमकीले नीले बालों वाले आवारा कुत्तों के एक वायरल वीडियो ने वैज्ञानिकों और सोशल मीडिया यूजर्स को हैरान कर दिया है। चेरनोबिल में आवारा जानवरों की देखभाल करने वाले समूह की ओर से शेयर की गई इस वीडियो क्लिप को अब तक 3 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इसने 1986 की परमाणु आपदा के विचित्र परिणामों के बारे में वैश्विक जिज्ञासा को फिर से जगा दिया है।

कैसे लगा इन कुत्तों का पता?

वायरल वीडियो को लेकर कुत्तों की देखभाल करने वाले संगठन ने कहा कि नसबंदी अभियान के दौरान उन्हें ये कुत्ते अचानक दिखाई दिए। डॉग्स ऑफ चेरनोबिल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, /"हमें 3 कुत्ते मिले जो पूरी तरह से नीले रंग के थे। हमें ठीक से समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि यही कुत्ते एक सप्ताह पहले तक सामान्य दिख रहे थे, जिससे रहस्य और गहरा गया।

वीडियो नकली होने का संदेह

सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने वन्यजीव वीडियो की बाढ़ आने के बाद कई यूजर्स ने इस क्लिप की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। चेरनोबिल के कुत्तों की टीम का कहना है कि यह फुटेज असली है। एनजीओ ने स्पष्ट किया, /"हम कुत्तों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ऐसा क्यों हुआ। संभवतः, वे किसी रसायन के संपर्क में आ गए थे।

विशेषज्ञों ने किया यह दावा

विशेषज्ञों का मानना है कि यह चटक नीला रंग आनुवंशिक होने की संभावना नहीं है। उन्हें संदेह है कि रासायनिक संपर्क- संभवतः कोबाल्ट, कॉपर सल्फेट या अन्य औद्योगिक अपशिष्ट के कारण कुत्तों के बालों पर दाग लगे होंगे। इसी तरह के यौगिक दूषित मिट्टी या पानी के संपर्क में आने पर चटक रंग उत्पन्न करते हैं। जब तक जानवरों को पकड़कर उनका परीक्षण नहीं किया जाता, तब तक यह रहस्य अनसुलझा ही रहेगा।

Vagina Tightening
(सेक्स अंगों की कॉस्मेटिक सर्जरी)
by
फ्रैक्शनल लेजर द्वारा
Fat Injection
(महिलाएं व पुरूष दोनों हेतु)
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी
कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

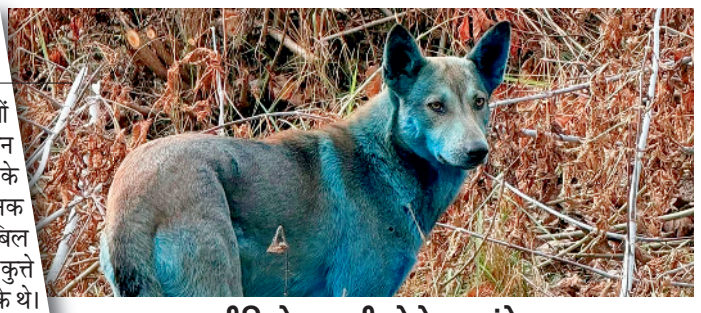

Care With Confidence
सुयश हॉस्पिटल
NABH
1 दिसंबर से 28 फरवरी तक
निसंतान दंपतियों के लिए
नि:शुल्क परामर्श
प्रथम 15 पंजीयन में
IVF/ICSI पैकेज में 20% की छूट
93000 30000
97551 62611
FOLLOW US ON
20% क्लीनिकल टेस्ट में की छूट
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

Vedanta Medical Research Foundation
BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर
मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
• अत्याधुनिक ट्रू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरपी की सुविधा
• कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
आयुष्मान भारत योजना से नि:शुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
सिटी सेंटर - बीएमसी कैंसर डेकेयर- कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
त्वरित कैंसर जाँच और रेडिएशन थेरेपी के लिए विशेषज्ञों की कुशल टीम
डॉ. रमेश कोठारी MBBS, MD (RADIATION ONCOLOGY) RADIATION ONCOLOGIST
डॉ. सतीश देवांगन MBBS, MD (RADIATION ONCOLOGY) RADIATION ONCOLOGIST
डॉ. विलास मेश्राम MBBS, MD (NUCLEAR MEDICINE) NUCLEAR MEDICINE PHYSICIAN
डॉ. प्रशांत साहू DMRD, DNB ONCO RADIOLOGIST
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध-
NABH से पूर्णतः मान्यता प्राप्त कैंसर अस्पताल
DAWDA COLONY, PACHPEDI NAKA, RAIPUR, 7389904010, 07714081010

शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत ₹ 63 243#
कैश बोनस ₹2 100~ तक
कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना ₹2 200~ तक
डाउन पेमेंट ₹4 999$ से शुरू
EMI पर इंस्टेंट कैश बैक ₹10 000^ तक
HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
Hero GoodLife Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply. Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of HF Deluxe Self in Chhattisgarh.
TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो, 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो, 9289922623, बलौदाबाजार: अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो, 9289923064, डोंगरगढ़: जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो, 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुर: संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानी: किरण मोटर्स, 9754069392, लवन: गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरी: श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़ला: विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरिया: अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, ग्रामदंडी: किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरला: कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोद: नैन ऑटोकेयर, 9425563502, सिमगा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंडरदेही: एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरूद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, हरदिबाजार- कांकेर: अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहरा पादर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुड़कुदू: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाहोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवारा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिम: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, तारागांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, कटघोरा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामा: श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुढ़ियारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो, 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com